

दैनिक

गाजियाबाद से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

वेलकम इंडिया

RNI NO. UPHIN/2018/76874

नये भारत की नई सोच

वर्ष: 07 अंक: 277

शुक्रवार, 16 अक्टूबर-2026 (गाजियाबाद)

पेज-8

मूल्य-एक रुपया

सुप्रीम कोर्ट में विपक्षी मार्च पर सीजेआई सख्त, कहा न्यायपालिका को कोई डरा नहीं सकता

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत ने बृहस्पतिवार को कहा कि न्यायपालिका को कोई भी डरा-धमका नहीं सकता और अदालत जानती है कि बाहर क्या बयान दिए जा रहे हैं। न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने यह बात कांग्रेस नेता राहुल गांधी और कई अन्य विपक्षी नेताओं द्वारा 12 अक्टूबर को उच्चतम न्यायालय तक किए गए मार्च से जुड़ी एक याचिका पर सुनवाई के दौरान कही। प्रधान न्यायाधीश और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने, शीर्ष अदालत तक मार्च करने के खिलाफ दायर याचिका पर गांधी, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, समाजवादी पार्टी (सपा) प्रमुख अखिलेश यादव, तृणमूल कांग्रेस सांसद महुआ मोद्ग्रा, कांग्रेस पार्टी, केरल प्रदेश कांग्रेस कमेटी और अन्य को नोटिस जारी किये।



याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता गौरव भाटिया ने पीठ से कहा कि 12 अक्टूबर को उच्चतम न्यायालय परिसर में जो कुछ हुआ, वह पूरी तरह से अस्वीकार्य है। भाटिया ने पीठ से कहा, “यह पूरी तरह से अस्वीकार्य है कि उच्चतम न्यायालय किसी राजनीतिक जुलूस के मामले से निपट रहा है।” जब उन्होंने कहा कि न्यायपालिका को डराने-धमकाने की इस तरह की कोशिश को

स्वीकार नहीं किया जा सकता, तो न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने कहा, “हमें कोई डरा-धमका नहीं सकता।” याचिका में अदालत परिसर के भीतर राजनीतिक प्रदर्शनों पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने और न्यायिक व्यवस्था में बाधा डालने वाले नेताओं के खिलाफ अवमानना की कार्यवाही शुरू करने का अनुरोध किया गया है। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान बड़े पैमाने

पर मतदाताओं के नाम हटाए जाने और अन्य अनियमितताओं को लेकर याचिका दायर करने के लिए 12 अक्टूबर को, गांधी और विपक्ष के कई अन्य प्रमुख नेता अपने समर्थकों के साथ उच्चतम न्यायालय पहुंचे थे। एसआईआर प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं को लेकर मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर राष्ट्रीय राजधानी में कई प्रदर्शन हुए हैं। सुनवाई के दौरान, भाटिया ने पीठ को बताया कि 200 से अधिक वकीलों ने एक जापन पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसमें 12 अक्टूबर को उच्चतम न्यायालय परिसर के भीतर हुई घटना पर चिंता जताई गई है। उन्होंने कहा कि न्यायपालिका को डराने-धमकाने की कोशिश चिंताजनक है। पीठ ने कहा, “हम कोई अलग-थलग दुनिया में नहीं बैठे हैं। हमें पता है कि वे बाहर क्या बयान दे रहे हैं और

अदालत में क्या कह रहे हैं। हमें सबकुछ पता है।” भाटिया ने पीठ से कहा कि उच्चतम न्यायालय परिसर की 12 अक्टूबर की सीसीटीवी फुटेज को सुरक्षित रखने के लिए अतिरिक्त निवेदन किया है। उन्होंने कहा, “हमने (याचिकाकर्ताओं ने) याचिका में उच्चतम न्यायालय परिसर की सीसीटीवी फुटेज को सुरक्षित रखने के लिए अतिरिक्त निवेदन किया है।” भाटिया ने बताया कि उस दिन अदालत परिसर में एक गर्भवती महिला पत्रकार को धक्का दिया गया, जिसके बाद उसे अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। याचिका में इस बात की ओर ध्यान दिलाया गया कि 12 अक्टूबर को शीर्ष अदालत परिसर में तब भारी भीड़ घुस आई, जब गांधी और अन्य नेता एसआईआर से जुड़ी याचिका दाखिल करने के लिए उच्चतम न्यायालय तक मार्च करके पहुंचे।

वरुणास्त्र और GSAT-7C से बढ़ेगी सैन्य ताकत

एंटी-सबमरीन व संचार क्षमता के लिए 4,106 करोड़ का करार

वेलकम इंडिया, नेटवर्क



नई दिल्ली। रक्षा मंत्रालय (MoD) ने भारत के सैन्य संचार नेटवर्क और पानी के भीतर युद्ध क्षमताओं को मजबूत करने के लिए लगभग 4,106 करोड़ रुपये के दो बड़े रक्षा अनुबंधों पर हस्ताक्षर किए हैं। इन समझौतों में भारतीय वायु सेना (IAF) के लिए GSAT-7C संचार उपग्रह और भारतीय नौसेना के लिए 'वरुणास्त्र' हैवीवेट टॉरपीडो की खरीद शामिल है, जिससे स्वदेशी रक्षा निर्माण को बढ़ावा मिलेगा। ये अनुबंध गुरुवार (15 अक्टूबर) को नई दिल्ली में रक्षा विभाग के अतिरिक्त सचिव और महानिदेशक (अधिग्रहण) ए. अनबारासु की उपस्थिति में हस्ताक्षरित किए गए। इन दोनों समझौतों का उद्देश्य सशस्त्र बलों की परिचालन तैयारियों को बेहतर बनाना है।

साथ ही, ये सरकार की 'आत्मनिर्भर भारत' और 'भेक-इन-इंडिया' पहलों के तहत महत्वपूर्ण

रक्षा तकनीकों में आत्मनिर्भरता लाने की कोशिशों को भी आगे बढ़ाते हैं। रक्षा मंत्रालय ने GSAT-7C सैटेलाइट क्षमता के लिए बंगलुरु की न्यू स्पेस इंडिया लिमिटेड (NSIL) को 2,563 करोड़ रुपये का अनुबंध दिया है। स्वदेशी रूप से डिजाइन, विकसित और निर्मित यह सैटेलाइट भारतीय वायु सेना के संसाधनों के बीच सुरक्षित और निर्बाध संचार को मजबूत करेगा। सैन्य अभियानों में तालमेल बिटाने और वायु सेना के विभिन्न प्लेटफॉर्मों के बीच कनेक्टिविटी बनाए रखने के लिए

विश्वसनीय और सुरक्षित संचार बहुत महत्वपूर्ण है। GSAT-7C क्षमता का उद्देश्य एक अधिक मजबूत संचार नेटवर्क प्रदान करना है, जिससे भारतीय वायु सेना को अपने परिचालन समन्वय और प्रभावशीलता को बेहतर बनाने में मदद मिलेगी। यह अनुबंध देश के भीतर रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण अंतरिक्ष और संचार तकनीकों को विकसित करने और बनाने के भारत के प्रयासों को भी मजबूत करता है, जिससे महत्वपूर्ण सैन्य जरूरतों के लिए बाहरी स्रोतों पर निर्भरता कम होती है।

इमरान खान को मुंबई पुलिस का नोटिस, विरोध प्रदर्शन में शामिल होने पर 28 अक्टूबर तक देश छोड़ने का आदेश

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। मुंबई पुलिस ने आप्रवास और विदेशियों विषयक अधिनियम के प्रावधानों के कथित उल्लंघन के मामले में बॉलीवुड अभिनेता एवं अमेरिकी नागरिक इमरान खान को 28 अक्टूबर तक भारत छोड़ने का नोटिस जारी किया है। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि अमेरिकी नागरिकता रखने वाले अभिनेता इमरान खान के खिलाफ यह कार्रवाई 10 अक्टूबर को मुंबई में हुए एक विरोध प्रदर्शन में उनके भाग लेने के बाद की गई है, जहां प्रदर्शनकारी मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग कर रहे थे। इमरान खान, अभिनेता आमिर खान के भांजे हैं। प्रदर्शन के दौरान पुलिस ने अभिनेता को हिरासत में भी लिया था। पुलिस अधिकारी ने कहा, “इमरान खान के पास विदेशी नागरिकता है और वह भारतीय नागरिक नहीं हैं। आप्रवास और विदेशियों विषयक अधिनियम के संबंधित प्रावधानों के तहत किसी भी विदेशी नागरिक को भारत में राजनीतिक विरोध प्रदर्शनों या



राजनीतिक गतिविधियों में हिस्सा लेने की अनुमति नहीं है।” पुलिस ने बताया कि अभिनेता को 28 अक्टूबर तक देश छोड़ने का औपचारिक नोटिस दे दिया गया है और उन्होंने इसकी प्रति प्राप्त कर ली है। उसने बताया कि इस मामले में प्रशासनिक कार्यवाही जारी है। इससे पहले, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पूर्व सांसद किरीट सोमैया ने इमरान खान के “विदेशी नागरिक” होने के बावजूद कॉन्ग्रेस जनता पार्टी का समर्थन करते हुए प्रदर्शन में शामिल होने पर अभिनेता के खिलाफ कार्रवाई की मांग की थी और मुंबई पुलिस से यह स्पष्ट करने का आग्रह किया था कि क्या कोई विदेशी नागरिक ऐसे आंदोलनों में भाग ले सकता है।

एसआईआर विवाद के बीच चुनाव आयोग का बड़ा एलान, 17 राज्यों की वोटर लिस्ट में होगा विशेष संशोधन

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। SIR विवाद और मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग की बीच चुनाव आयोग ने 17 राज्यों में विशेष सारांश पुनरीक्षण (SSR) कराएगा। चुनाव आयोग ने इसके लिए राज्यों को सूचित किया है। इन 17 राज्यों में उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, मणिपुर और गोवा भी शामिल हैं, जहां चुनाव होने वाले हैं। उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, मणिपुर और गोवा सहित संबंधित राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों को लिखे एक पत्र में, चुनाव आयोग ने कहा कि इस प्रक्रिया के लिए 1 जनवरी 2027 निर्धारित कट-ऑफ तारीख होगी।

403 सदस्यों वाली उत्तर प्रदेश विधानसभा का वर्तमान कार्यकाल अगले साल 22 मई को समाप्त हो रहा है। मणिपुर, गोवा, पंजाब और उत्तराखंड की विधानसभाओं, जिनमें क्रमशः 60, 40, 117 और 70 सीटें हैं, का कार्यकाल मार्च 2027 में अलग-अलग तारीखों पर समाप्त होगा। 'जन प्रतिनिधित्व अधिनियम,



1950' के तहत, चुनाव आयोग को विधानसभा का कार्यकाल समाप्त होने से छह महीने पहले चुनाव कराने की अनुमति होती है।

रक्तक और रफकें क्या है अंतर?

संक्षिप्त पुनरीक्षण का मुख्य ध्यान नए पात्र लोगों को जोड़ने और सामान्य सुधारों पर होता है, जबकि 'SIR' कहीं अधिक व्यापक प्रक्रिया है। इसमें पूरे राज्य में घर-घर जाकर सत्यापन करना, प्रविष्टियों की बारीकी से जांच करना और बड़े पैमाने पर डेटा का ऑडिट करना शामिल है।

उदाहरण के लिए, SSR के तहत,

अगर कोई मतदाता अपना घर बदलता है, तो उसे अपना पता अपडेट करने के लिए एक फॉर्म भरना पड़ता है। लेकिन SIR में ऐसा नहीं है। एसआईआर के तहत बूथ लेवल ऑफिसर उस पते पर जाते हैं, यह पुष्टि करते हैं कि मतदाता अभी भी वहां रहता है या नहीं, और यह भी देखते हैं कि क्या कोई नया व्यक्ति पात्र हो गया है।

इस तरह, मतदाता के खुद पहल करने का इंतजार करने के बजाय, वे मौके पर जाकर सत्यापन करते हैं और मतदाता सूची को अपडेट कर देते हैं।

SIR को लेकर विवाद

SIR को लेकर ही पूरा विवाद खड़ा हुआ है। विपक्षी दलों ने मतदाताओं के नाम हटाए जाने और पात्र नागरिकों के मतदाता सूची से बाहर रह जाने की संभावना पर चिंता जताई है।

वहीं चुनाव आयोग का कहना है कि इस कवायद का मकसद मतदाता सूचियों को दुरुस्त करना है। इसमें दोहरी या अयोग्य लोगों को हटाया जा रहा है, साथ ही यह भी सुनिश्चित किया जा रहा है कि सभी पात्र नागरिक सूची में शामिल रहें।

हालाँकि, विपक्षी दलों ने इस प्रक्रिया पर सवाल उठाए हैं। उनका आरोप है कि इस कवायद के कारण असली मतदाता अपना वोट देने का अधिकार खो सकते हैं। उन्होंने दस्तावेजों की जरूरत, सत्यापन की प्रक्रिया और कमजोर गांवों, प्रवासी मजदूरों, बुजुर्गों और आर्थिक रूप से पिछड़े लोगों, पर पड़ने वाले प्रतिकूल प्रभावों को लेकर भी चिंता जताई है।

यह विवाद सुप्रीम कोर्ट तक भी पहुंच गया है, जहां कुछ याचिकाओं में इस बात पर सवाल उठाए गए हैं कि यह पुनरीक्षण किस तरह से किया जा रहा है।

कसारी-मसारी अब ‘श्रीकृष्णपुरी’ नाम से विकसित होगा: मुख्यमंत्री

प्रयागराज में माफिया से मुक्त कराई गई जमीन पर पद्मलोक आवासीय योजना का भूमि पूजन किया सीएम योगी आदित्यनाथ ने

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

प्रयागराज। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को प्रयागराज के कसारी मसारी में माफिया से मुक्त कराई 9,811 वर्ग मीटर भूमि पर पद्म लोक आवास योजना के अंतर्गत 191 करोड़ से अधिक की लागत से 602 अड्डों के निर्माण के लिए भूमि पूजन किया। इसके साथ ही उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के अंतर्गत पीपलगांव में निर्मित 556 आवासों के लाभार्थियों को चाबी की वितरित की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि समाजवादी पार्टी आती है, तो माफिया और गुंडे-बदमाश लेकर आती है और भाजपा आती है तो विकास और बदलाव आता है। उन्होंने घोषणा की कि कसारी-मसारी अब नहीं होगा, इस पूरे क्षेत्र को 'श्रीकृष्णपुरी' के रूप में विकसित किया जाएगा। माफिया से मुक्त कराई गई जमीन पर गरीबों के लिए आवास बनाए जाएंगे और यहां एक व्यवस्थित टाउनशिप विकसित होगी। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि प्रयागराज में अब कोई माफियागिरी करने का दुस्साहस नहीं करेगा और



महाराज बिजली पासी के नाम पर बनेगा आईटीआई

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रयागराज में आईटीआई के निर्माण की योजना भी आगे बढ़ाई जा रही है। इस आईटीआई का नाम महाराजा बिजली पासी के नाम पर रखा जाएगा। महाराजा बिजली पासी ने लखनऊ और आसपास के क्षेत्रों में 12 किले बनाए थे। वह विदेशी आक्रांताओं के काल में सनातन धर्म के प्रबल रक्षक थे। उनके नाम पर आईटीआई का निर्माण कर उनके योगदान को सम्मान दिया जाएगा।

अगर कोई ऐसा करेगा या करवाएगा, तो उसे मिट्टी में मिलने की तैयारी भी कर लेनी चाहिए। कोई गुंडा या माफिया किसी की संपत्ति पर कब्जा नहीं कर सकता। अगर कोई ऐसा करेगा तो उसके बाप-दादा की कमाई को भी जप्त कर लिया जाएगा। लूकरगंज के बाद अब कसारी-मसारी में भी माफिया

से मुक्त कराई गई सरकारी जमीन पर गरीबों के आशियाने बनेंगे। जिस भूमि पर कभी माफिया अतीक अहमद और उसके गुणों का कब्जा था, वहां अब गरीब परिवारों के लिए पक्के मकान बनाए जाएंगे। ढाई हेक्टेयर यानी लगभग 15 बीघा जमीन पर अतीक अहमद और उसके गुंडों ने कब्जा कर



प्रयागराज में पुल, लॉ यूनिवर्सिटी का निर्माण भी अंतिम चरण में

मुख्यमंत्री ने कहा कि महाकुंभ के दौरान प्रयागराज में बड़े पैमाने पर सड़कें चौड़ी की गईं। अब यहां सात मीटर से लेकर 14 मीटर तक चौड़ी सड़कें हैं और आवागमन सुगम हुआ है। सरकार सुरक्षा का माहौल इसलिए उपलब्ध करा रही है, जिससे युवाओं को रोजगार मिल सके, उनकी नौकरी का उचित प्रबंध हो, गरीबों को सिर ढकने के लिए आवास मिले और हर नागरिक सुशासन का लाभ लेकर विकास के नए प्रतिमान स्थापित कर सके। इसी उद्देश्य से प्रयागराज में विकास की अनेक योजनाओं को आगे बढ़ाया जा रहा है। सहस्रों क्षेत्र में गंगा नदी पर बड़े पुल पर 950 करोड़ रुपये खर्च किए जा रहे हैं। इसी विधानसभा क्षेत्र में डॉ. राजेंद्र प्रसाद नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी का निर्माण भी लगभग पूरा होने की स्थिति में है।

अस्तबल बनाया हुआ था, उसे अस्थायी का अड्डा बना रखा था। सरकार ने उस अवैध साम्राज्य को ध्वस्त कर जमीन को मुक्त कराया। अब इसी जमीन पर गरीबों के आवास बनेंगे।

यह केवल जमीन को कब्जे से मुक्त कराने की कार्रवाई नहीं है, बल्कि उसका उपयोग समाज के गरीब और जरूरतमंद परिवारों के हित में करने का संकल्प भी है।

संपादक की कलम



राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप कमजोर या चतुर प्रशासक



ललित शर्मा

संपादक

पर कितना गहरा और स्थायी प्रभाव छोड़ा। अमेरिकी इतिहास में राष्ट्रपति अब्राहम लिंकन का देश को टट्टने से बचाना और गुलामी का अंत, फ्रैंकलिन डी. रूजवेल्ट का महान मंदी और द्वितीय विश्व युद्ध से देश को उबारना, और जॉर्ज वाशिंगटन, संस्थानगत नींव रखने वाले को सबसे शक्तिशाली माना जाता है। जेम्स बुकानन ,गृहयुद्ध को रोकने में असमर्थता, एंड्रयू जॉन्सन को अवसर अमेरिकी इतिहास के कमजोर और असफल राष्ट्रपतियों में गिना जाता है, क्योंकि उनके कार्यकाल में देश संकटों से निपटने में विफल रहें हैं हालांकि, नेतृत्व, नीतियों, लोकतांत्रिक संस्थाओं के प्रति दृष्टिकोण, सहयोगी देश से संबंधों और अमेरिकी समाज में बढ़ते ध्रुवीकरण के आधार पर उनकी आलोचना के पर्याप्त कारण हैं। अमेरिकी इतिहास में कुछ ही राजनीतिक हस्तियों ऐसी हुई हैं जिन्होंने डोनाल्ड ट्रंप जितनी तीव्र प्रतिक्रियाएँ, ध्रुवीकरण और बहसें पैदा की हैं। जब यह प्रश्न उठाय़ा जाता है कि क्या डोनाल्ड ट्रंप अमेरिका के कमजोर राष्ट्रपति हैं, तो यह केवल उनके कार्यकाल की सफलताओं या असफलताओं का आकलन नहीं रह जाता, बल्कि यह अमेरिकी प्रेसीडेंसी राष्ट्रपतियों की संस्था के इतिहास, शासन प्रणालियों और राजनीतिक संस्कृति की गहरी समीक्षा बन जाता है। इस विषय पर विचार करने के लिए हमें उनके कार्यकाल को इतिहास के अन्य प्रमुख राष्ट्रपतियों की तुलना में देखना होगा। इस संदर्भ में, डोनाल्ड ट्रंप का मूल्यांकन सीधा नहीं है। उनके समर्थकों की नजर में वे एक क्रांतिकारी और दूरदर्शी नेता हैं, जबकि आलोचकों की नजर में वे संस्थाओं को कमजोर करने वाले और लोकतांत्रिक मानदंडों को चुनौती देने वाले राष्ट्रपति रहे हैं। डोनाल्ड ट्रंप की शासन शैली पारंपरिक अमेरिकी राष्ट्रपतियों से बिल्कुल अलग थी। उनकी कार्यप्रणाली के मुख्य स्तंभ निम्नलिखित रहे हैं : उन्होंने पारंपरिक अंतरराष्ट्रीय गठबंधनों (जैसे नाटो, पेरिस जलवायु सम्मोज्ञता, ईरान परमाणु सम्मोज्ञता) को चुनौती दी और अमेरिका के आर्थिक हितों को सबसे ऊपर रखा। उन्होंने चीन के साथ एक लंबा व्यापार युद्ध लड़ा। ट्रंप ने मुख्यधारा के मीडिया, खुफिया एजेंसियों (एफबीआई, सीआईए) और न्यायपालिका पर लगातार सवाल उठाए। उन्होंने रूढ़िवादी विचारधारा के न्यायाधीशों सुप्रीम कोर्ट में तीन नियुक्तियों सहित को नियुक्त किया, जिसे उनके समर्थकों ने ऐतिहासिक जीत माना। ट्रंप ने पारंपरिक प्रेस कॉन्फ्रेंस के बजाय ट्विटर अब एक्स के माध्यम से सीधे जनता से संवाद किया, जिसने राजनीतिक संवाद की भाषा को हमेशा के लिए बदल दिया।

लौटा दे मेरा उम्र था बचपन

उदय कशोर साह

कविता

ईध्या द्वेष से उब चुका ये उग्र पचपन
वैमनस्यता से बेहतर था लड़कपन
नहीं था पड़ोसी से कोई भी तकरार
लौटा दो मेरा बचपन मेरे परवरदिगार

प्रेम भाव का होता था नित्य दर्शन
हर साथी था हमारा पावन . दर्पण
खेल खेल में मिल जाता था। प्यार
लौटा दो मेरा बचपन मेरे परवरदिगार

साफ सुथरा निर्मल था वो बालापन
भेद भाव का ना था वो हमारा तन मन
झुमता था दोस्तों का जब होता दीदार
लौटा दो मेरा बचपन मेरे परवरदिगार

सुबह शाम बन जाता था हठनन्दन
माँ की आँख लगाता था अंजुमन
करुणा की बहती थी ममता की बयार
लौटा दो मेरा बचपन मेरे परवरदिगार

खेत खलिहान में बीत गया अल्हड़पन
जाति पाँति का ना था कोई भी बंधन
हँसी खुशी संग आता था त्यौहार
लौटा दो मेरा बचपन मेरे परवरदिगार

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक ललित कुमार द्वारा वेलकम इंडिया प्रिन्टर्स, 1/26, साउथ साइड, जी टी रोड, गाजियाबाद-201001 से मुद्रित करारक ग्राउन्ड फ्लोर, दुर्गा टॉवर, आर.डी. सी राजनगर, गाजियाबाद 201002 से प्रकाशित किया | संपादक : ललित शर्मा

सम्पर्क सूत्र: 9891116568

किसी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा गाजियाबाद न्यायालय में ही होगा।



ललित गर्ग

लेखक

--: ललित गर्ग--:

पंजाब की धरती कभी शौर्य, पराक्रम, मेहनत, उद्यमशीलता और जीवटता के लिए जानी जाती थी। इसी मिट्टी के नौजवानों ने देश की सीमाओं की रक्षा करते हुए अपने प्राणों की आहुति दी और खेतों में पसीना बहाकर देश का अन्न भंडार भरा। लेकिन आज उसी पंजाब की पहचान नशे के बढ़ते कारोबार, युवाओं की बबादी और ड्रप्स माफिया के बढ़ते प्रभाव से जुड़ती जा रही है। यह केवल एक राज्य की सामाजिक त्रासदी नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा, शासन-व्यवस्था और राजनीतिक इच्छाशक्ति की गंभीर परीक्षा है। जिस पंजाब के युवाओं के हाथों में कभी तलवार, हल और तिरंगा शोभा देते थे, वहां आज नशे ने अनेक हाथों को बेबस और अनेक परिवारों को बहहवास कर दिया है। विडंबना देखिए कि नशे के कारोबार पर अंकुश लगाने की जिम्मेदारी जिन



डॉ. सत्यवान सौरभ

लेखक

डॉ. सत्यवान सौरभ

भारत में शांतिपूर्ण सभा का अधिकार लोकतंत्र का एक महत्वपूर्ण आधार है। भारतीय संविधान का अनुच्छेद 19(1)(ख) सभी नागरिकों को शांतिपूर्वक और बिना हथियारों के एकत्र होने का मौलिक अधिकार प्रदान करता है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में जनसभाएँ, धरने, प्रदर्शन और रैलियाँ केवल असहमति व्यक्त करने के अपनी माँग रखने, सरकार से जवाबदेही सुनिश्चित करने और सार्वजनिक नीतियों को प्रभावित करने का अवसर भी देती हैं। वर्तमान भारत में विरोध-प्रदर्शनों की अनुमति, सार्वजनिक स्थानों पर प्रतिबंध, सड़क जाम और निवारक कानूनी प्रावधानों को लेकर होने वाली बहस ने इस अधिकार की प्रासंगिकता को और बढ़ा दिया है।

भारत का स्वतंत्रता आंदोलन सामूहिक लामबंदी और शांतिपूर्ण प्रतिरोध की शक्ति का ऐतिहासिक

पुलिसकर्मियों की है, यदि उन्हीं के घर से करोड़ों रुपये की हेरोइन बरामद होने की खबर सामने आती है, तो यह व्यवस्था के लिए खतरे की घंटी है। पंजाब में एक पुलिस कांस्टेबल के घर से कथित तौर पर 40 करोड़ रुपये की हेरोइन बरामद होने का मामला इसी सड़ांध की ओर संकेत करता है। यह घटना महज एक आपराधिक प्रकरण नहीं, बल्कि उस व्यवस्था पर गंभीर प्रश्नचिह्न है, जिसमें अपराध रोकने के लिए नियुक्त व्यक्ति दिन भर के लिए अपराध के संदेह के घेरे में आ जाए। यह तो वही स्थिति हुई कि ‘बाड़ ही खेत को खाने लगे’, तो फसल की रखवाली कौन करेगा? जिस पुलिस के कंधों पर नशा तस्करों को पकड़ने का दायित्व है, यदि उसी व्यवस्था के भीतर ऐसे तत्व पनपने लगे, तो आम नागरिक का भरोसा डगमगाना स्वाभाविक है। इस मामले में निष्पक्ष जांच, दोषियों की पहचान और कठोर कानूनी कार्रवाई ज़रूरी है। किसी व्यक्ति को केवल आरोप के आधार पर दोषी नहीं ठहराया जा सकता, लेकिन वदीं की आड़ में अपराध करने वाले किसी भी व्यक्ति को कानून से बचने का अवसर भी नहीं मिलना चाहिए।

पंजाब में नशे का कारोबार अब गलियों, गांवों और कस्बों तक अपनी जड़ें फैला चुका है। कभी नशे की समस्या को सीमावर्ती क्षेत्रों या शहरी युवाओं तक सीमित माना जाता था,

लेकिन आज सिंथेटिक ड्रप्स सहित विभिन्न मादक पदार्थों की उपलब्धता ने संकट को और व्यापक बना दिया है। युवा पीढ़ी का एक हिस्सा नशे की गिरफ्त में आकर अपना स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार और भविष्य गंवा रहा है। कहीं माँ की गोद सूनी हो रही है, कहीं वृद्ध पिता के बुढ़ापे का सहारा छिन रहा है और कहीं परिवार का कमाऊ सदस्य नशे की लत के कारण स्वयं अपने परिवजनों पर बोझ बन रहा है। ‘घर का चिराग ही घर में अंधेरा कर दे’, इससे बड़ी विडंबना क्या होगी! नशे की लत केवल व्यक्ति को नहीं तोड़ती, बल्कि पूरे परिवार और सामाजिक ताने-बाने को भीतर तक खोखला कर देती है। इस संकट की गंभीरता सरकारी आंकड़ों और पुलिस की कार्रवाइयों से भी समझी जा सकती है। उपलब्ध विवरणों के अनुसार दस महीनों में पंजाब पुलिस ने 10,524 तस्करों को गिरफ्तार किया, जिनमें 153 बड़े ऑपरेटर शामिल थे। इस दौरान 790 किलोग्राम हेरोइन, 860 किलोग्राम अफीम और अन्य मादक पदार्थों के साथ 13 करोड़ रुपये से अधिक की ड्रग मनी जब्त की गई तथा नशे के कारोबार से जुड़ी 208 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति पर कार्रवाई की गई। ये आंकड़े कार्रवाई के पैमाने को अवश्य दर्शाते हैं, लेकिन साथ ही यह सवाल भी उठते हैं कि इतनी बड़ी मात्रा में नशीले पदार्थ आखिर राज्य में पहुंच कैसे रहे हैं? इतनी गिरफ्तारियों

और जब्ती के बावजूद यदि नशे की उपलब्धता और लत पर निर्णायक अंकुश नहीं लग रहा, तो स्पष्ट है कि समस्या की जड़ें गहरी हैं। ‘मज्र बढ़ता गया, ज्यों-ज्यों दवा की’ जैसी स्थिति से बचने के लिए गिरफ्तारियों की संख्या से आगे बढ़कर नशे की आपूर्ति, वित्तीय नेटवर्क और राजनीतिक संरक्षण की पड़ताल करनी होगी।

पाकिस्तान से लगी पंजाब की लगभग 553 किलोमीटर लंबी सीमा इस चुनौती को राष्ट्रीय सुरक्षा से जोड़ती है। ड्रोन के माध्यम से नशीले पदार्थों और हथियारों की तस्करी की आशंकाएं सीमा प्रबंधन को और जटिल बनाती हैं। वर्ष 2026 में अब तक पंजाब की सीमा से 183 ड्रोन जब्त किए जाने का उल्लेख इस खतरे की गंभीरता को रेखांकित करता है। सीमा पर से संचालित तस्करी के नेटवर्क पर प्रहार करना आवश्यक है, लेकिन सारी जिम्मेदारी बाहरी ताकतों पर डालकर राज्य के भीतर की कमजोरियों से आंखें नहीं मूंदी जा सकती। यदि स्थानीय तस्कर, संगठित गिरोह और भ्रष्ट तंत्र मिलकर काम कर रहे हों, तो सीमा पर कड़ी निगरानी के साथ-साथ भीतर भी कठोर कार्रवाई करनी होगी। ‘दूध का दूध और पानी का पानी’ करने वाली जांच ही बता सकती है कि इस काले कारोबार में कौन मोहरा है, कौन खिलाड़ी और कौन पदें के पीछे बैठा सूत्रधार। आम आदमी पार्टी को पंजाब सरकार ने नशामुक्ति और तस्करों के

विरुद्ध कार्रवाई को लेकर अनेक दावे किए हैं। लेकिन सवाल यह है कि क्या ये दावे जमीन पर उतना परिवर्तन ला पाए हैं, जिसकी अपेक्षा पंजाब की जनता ने की थी? सत्ता में आने से पहले नशे के विरुद्ध निर्णायक लड़ाई के वादे करना आसान है, लेकिन उस लड़ाई को परिणाम तक पहुंचाना राजनीतिक इच्छाशक्ति, प्रशासनिक ईमानदारी और निरंतर जवाबदेही मांगता है। यदि नशे की उपलब्धता बनी हुई है, युवा लगातार इसकी गिरफ्त में आ रहे हैं और तस्करी के नेटवर्क बार-बार सक्रिय हो जाते हैं, तो सरकार की रणनीति और उसके क्रियान्वयन पर सवाल उठाना स्वाभाविक है। केवल छापेमारी, गिरफ्तारी और घोषणाओं से नशामुक्त पंजाब का सपना साकार नहीं होगा। सरकार की सफलता का वास्तविक पैमाना यह होना चाहिए कि नशे की आपूर्ति कितनी घटी, कितने युवा उपचार के बाद सामान्य जीवन में लौटे और बड़े तस्करों तथा उनके संरक्षकों के विरुद्ध कितनी प्रभावी कार्रवाई हुई।

नशे के खिलाफ लड़ाई में पुलिस सुधार, आधुनिक तकनीक, सीमा सुरक्षा और वित्तीय जांच के साथ-साथ नशामुक्ति केंद्रों, मनोवैज्ञानिक परामर्श, रोजगार और पुनर्वास पर भी समान ध्यान देना होगा। नशे के शिकार युवाओं को केवल अपराधी मानकर खरिज करना समाधान नहीं है, उन्हें उपचार, सहारा और सम्मानजनक

जीवन में लौटने का अवसर देना भी ज़रूरी है। गांवों में जनभागीदारी, स्कूल-कॉलेजों में जागरूकता और परिवारों की सक्रिय भूमिका इस अभियान को जनांदोलन का स्वरूप दे सकती है। साथ ही, पुलिस और राजनीतिक तंत्र में किसी भी स्तर पर संरक्षण देने वालों की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। पंजाब को नशे की गिरफ्त से निकालना केवल सरकार का नहीं, पूरे समाज का दायित्व है, लेकिन नेतृत्व की पहली जवाबदेही सरकारी की ही है। जब कानून के रखवाले ही संदेह के घेरे में आने लगे और करोड़ों की हेरोइन की बरामदगी व्यवस्था की विश्वसनीयता पर प्रश्न खड़े करें, तब आत्ममंथन टालना आत्मघाती होगा। ‘लकीर पीटने’ के बजाय अब निर्णायक परिणाम देने का समय है। पंजाब को खोखले नारों नहीं, कठोर कार्रवाई, पारदर्शी जांच और जवाबदेह शासन की ज़रूरत है। नशा माफिया की जड़ें उखाड़ने के लिए राजनीतिक संरक्षण की दीवारें तोड़नी होंगी और कानून का भय हर अपराधी तक पहुंचाना होगा। अन्यथा नशे का यह तांडव पंजाब की युवा शक्ति को ही नहीं, देश की सामाजिक और राष्ट्रीय सुरक्षा को भी गंभीर क्षति पहुंचाता रहेगा।

सत्ता से सवाल या व्यवस्था में व्यवधान?

उदाहरण है। महात्मा गांधी के सत्याग्रह ने यह सिद्ध किया कि अहिंसक जनभागीदारी अन्यायपूर्ण व्यवस्था को चुनौती देने का प्रभावी माध्यम बन सकती है। स्वतंत्रता के बाद भी भ्रष्टाचार, सामाजिक न्याय, पर्यावरण संरक्षण, महिला अधिकारों, रोजगार और किसानों से जुड़े मुद्दों पर विभिन्न आंदोलनों ने सार्वजनिक विमर्श को प्रभावित किया है। शांतिपूर्ण प्रदर्शन उन नागरिकों और समुदायों को अपनी बात रखने का अवसर देते हैं, जिनकी समस्याओं को सामान्य परिस्थितियों में पर्याप्त म भीूर्ति हत्व नहीं मिल पाता। शांतिपूर्ण सभा का अधिकार अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता से भी गहराई से जुड़ा है। अनुच्छेद 19(1)(क) नागरिकों को वाक्‌एवं अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता प्रदान करता है, जबकि अनुच्छेद 19(1)(ख) उन्हें सामूहिक रूप से अपनी बात रखने का अवसर देता है। प्रदर्शन सरकार को अपनी नीतियों पर पुनर्विचार करने, प्रशासनिक कमियों को दूर करने और जनता की समस्याओं का समाधान करने के लिए प्रेरित कर सकते हैं। इस दृष्टि से शांतिपूर्ण असहमति लोकतंत्र की कमजोरी नहीं, बल्कि उसकी जीवंतता और उत्तरदायित्व का प्रमाण है।

वर्तमान भारत में कृषि नीतियों, नागरिकता, बेरोजगारी, भत्ती परीक्षाओं, आवास, पर्यावरण और अन्य सार्वजनिक मुद्दों पर होने वाले विरोध-प्रदर्शन इस अधिकार के महत्त्व को दर्शाते हैं। दूसरी ओर, सड़कों पर लंबे समय तक धरना देना, सार्वजनिक स्थानों पर प्रतिबंध, सड़क जाम और निवारक कानूनी प्रावधानों को लेकर होने वाली बहस ने इस अधिकार की प्रासंगिकता को और बढ़ा दिया है।

यथा हम वास्तव में पौधों को बढ़ते हुए महसूस कर सकते हैं?

पौधों का विकास सामान्यत: इनना धीमा होता है कि हम उसे पल-पल होते हुए नहीं देख पाते। लेकिन यदि हम नियमित रूप से किसी पौधे का निरीक्षण करें, तो वातावरण के प्रति प्रतिक्रिया करने में परिवर्तनों को पहचान सकते हैं और प्रकृति

समय तक धरना देने, सार्वजनिक सभाओं पर प्रतिबंध लगाने, इंटरनेट सेवाएँ बंद करने तथा निवारक आदेशों के प्रयोग को लेकर भी सवाल उठते रहे हैं। मुख्य चुनौती यह सुनिश्चित करना है कि कानून-व्यवस्था बनाए रखने के नाम पर नागरिकों की वैध असहमति को दबाया न जाए। संविधान शांतिपूर्ण सभा के अधिकार को असिमित नहीं मानता। अनुच्छेद 19(3) के अंतर्गत भारत की संप्रभुता एवं अखंडता और लोक व्यवस्था के हित में इस अधिकार पर युक्तियुक्त प्रतिबंध लगाए जा सकते हैं। ऐसे प्रतिबंध इसलिए आवश्यक हैं, क्योंकि प्रदर्शनकारियों के अधिकारों के साथ-साथ अन्य नागरिकों के अधिकारों की रक्षा करना भी राज्य की जिम्मेदारी है। हिंसा, धमकी, सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाना और जनसुरक्षा के लिए गंभीर खतरा उत्पन्न करना लोकतांत्रिक विरोध के नाम पर उचित नहीं ठहराया जा सकता। इसी प्रकार, आवश्यक मार्गों पर लंबे समय तक अवरोध उत्पन्न होने से मरीजों, आपातकालीन सेवाओं, दैनिक यात्रियों, व्यापारियों और स्थानीय निवासियों को परेशानी हो सकती है।

शाहीन बाग विरोध-प्रदर्शन से संबंधित अमित साहनी बनाम पुलिस आयुक्त (2020) मामले में सर्वोच्च न्यायालय ने स्पष्ट किया कि सार्वजनिक सड़कों और स्थानों पर अनिश्चितकाल तक ऐसा कब्जा नहीं किया जा सकता, जिससे अन्य लोगों का आवागमन

बाधित हो। इस निर्णय ने विरोध-प्रदर्शन के अधिकार और आम जनता के अधिकारों के बीच संतुलन को आवश्यकता को रेखांकित किया। हालाँकि, इसका अर्थ यह नहीं है कि सार्वजनिक स्थानों पर प्रत्येक प्रदर्शन प्रतिबंधित किया जा सकता है। प्रशासन को शांतिपूर्ण प्रदर्शन से होने वाली सामान्य असुविधा और गंभीर या लंबे समय तक चलने वाले अवरोध के बीच अंतर करना चाहिए। इसी प्रकार, मजदूर किसान शक्ति संगठन बनाम भारत संघ (2018) मामले में सर्वोच्च न्यायालय ने सार्वजनिक स्थानों पर प्रदर्शन के अधिकार और अन्य नागरिकों के हितों के बीच संतुलन से जुड़े प्रश्नों पर विचार किया। ऐसे न्यायिक निर्णय यह स्पष्ट करते हैं कि न तो विरोध-प्रदर्शन के अधिकार असिमित हैं और न ही सरकार की नियमन करने की शक्ति। उद्देश्य ऐसा संतुलन स्थापित करना होना चाहिए, जिससे लोकतांत्रिक अभिव्यक्ति सुरक्षित रहे और सार्वजनिक जीवन भी अनावश्यक रूप से बाधित न हो।

निवारक कानूनी शक्तियों का प्रयोग भी सावधानीपूर्वक किया जाना आवश्यक है। भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 163 सक्षम अधिकारियों को उपद्रव या संभावित खतरे जैसी कानून में निर्धारित परिस्थितियों में तत्काल निवारक आदेश जारी करने की शक्ति प्रदान करती है। गंभीर सुरक्षा संबंधी परिस्थितियों में ऐसे उपाय आवश्यक

हो सकते हैं, लेकिन उनका आधार वास्तविक परिस्थितियाँ होनी चाहिए और उनका दायरा तथा अवधि उचित रूप से सीमित होने चाहिए। शांतिपूर्ण सभाओं के विरुद्ध व्यापक या नियमित रूप से ऐसे आदेशों का प्रयोग संवैधानिक स्वतंत्रताओं को कमजोर कर सकता है। एक अन्य चिंता प्रतिबंधों के असमान और पक्षपातपूर्ण प्रयोग की है। यदि प्रदर्शन की अनुमति देने या रोकने के नियम राजनीतिक विचारधारा अथवा प्रदर्शनकारियों की पहचान के आधार पर अलग-अलग लागू किए जाते हैं, तो लोकतांत्रिक संस्थाओं का जनता का विश्वास कमजोर होता है। सरकार की नीतियों की आलोचना को अपने आप राष्ट्र-विरोध या राज्य के प्रति शत्रुता नहीं माना जाना चाहिए। किसी प्रदर्शन की माँगों से असहमत होना नागरिकों के संवैधानिक अधिकारों को समाप्त करने का आधार नहीं हो सकता।

वर्तमान परिस्थितियों में भारत को सार्वजनिक प्रदर्शनों के प्रति अधिक पारदर्शी और सहयोगात्मक दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता है। अनुमति देने की प्रक्रिया सरल, निष्पक्ष और समयबद्ध होनी चाहिए। प्रशासन को प्रदर्शनों के लिए उपयुक्त स्थान उपलब्ध कराने चाहिए तथा अस्पतालों, आपातकालीन मार्गों और आवश्यक सेवाओं के लिए सतह का पहुँच सुनिश्चित करनी चाहिए। मार्ग, समय और भीड़ प्रबंधन से संबंधित विवादों को सुलझाने के लिए प्रदर्शन

आयोजकों, पुलिस और स्थानीय प्रशासन के बीच संवाद को प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

प्रत्येक प्रतिबंध पर वैधता, आवश्यकता और आनुपातिकता के सिद्धांत लागू होने चाहिए। किसी सभा पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने से पहले प्रशासन को यह देखना चाहिए कि क्या मार्ग बदलने, समय निर्धारित करने, यातायात का वैकल्पिक प्रबंध करने या अन्य कम प्रतिबंधात्मक उपायों से समस्या का समाधान संभव है। पुलिसकर्मियों को शांतिपूर्ण भीड़ प्रबंधन, संवाद और तनाव कम करने के लिए उचित प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए। मनमांश या अत्यधिक प्रतिबंधों को चुनौती देने के लिए न्यायिक समीक्षा का प्रभावी अवसर भी उपलब्ध रहना चाहिए।

नागरिकों और प्रदर्शन आयोजकों की भी जिम्मेदारी है कि वे अपने अधिकारों का प्रयोग शांतिपूर्ण ढंग से करें, सार्वजनिक संपत्ति की रक्षा करें और प्रदर्शन में शामिल न होने वाले लोगों के अधिकारों का सम्मान करें। जिम्मेदार विरोध-प्रदर्शन लोकतंत्र को मजबूत बनाते हैं और वास्तविक जनसमस्याओं को हिसा या अन्व्यस्था के कारण चर्चा से बाहर होने से बचाते हैं।

अंततः, शांतिपूर्ण सभा का अधिकार भारत की संवैधानिक प्रतिबद्धता और लोकतांत्रिक परिपक्वता की कसौटी है। चुनाव नागरिकों को अपने प्रतिनिधि चुनने का अवसर देते हैं, जबकि शांतिपूर्ण

पौधों के विकास को महसूस कीजिए: प्रकृति के चमत्कारों को जानने का अवसर



डॉ विजय गर्ग

लेखक

प्रकृति की सबसे अद्भुत रचनाओं में से हैं। वे चुपचाप बढ़ते रहते हैं और अक्सर हमें उनके विकास का पता ही नहीं चलता। एक छोटा-सा बीज जड़ें निकालता है, मिट्टी से बाहर अंकुरित होता है, सूर्य के प्रकाश की ओर बढ़ता है और धीरे-धीरे पतियों से भरपूर एक पौधे का रूप ले लेता है। यह यात्रा केवल एक जैविक प्रक्रिया नहीं है, बल्कि धैर्य, संघर्ष, अनुकूलन और जीवन की परस्पर निर्भरता का सुंदर संदेश भी देती है। पौधों के विकास को महसूस करने का अर्थ है प्रकृति को ध्यान से देखना, उसकी गति को समझना और पृथ्वी पर जीवन को बनाए रखने वाली अद्भुत प्रक्रियाओं की सराहना करना।

एक छोटे बीज से जीवित पौधे तक



से गहरा जुड़ाव महसूस कर सकते हैं। किसी छोटे पौधे की ऊँचाई हर कुछ दिनों में मापिए। नई पतियों के निकलने, तने के मोटा होने और जड़ों के विकसित होने पर ध्यान दीजिए। देखिए कि उसकी पतियाँ सूर्य के प्रकाश के प्रति कैसी प्रतिक्रिया करती हैं और पानी देने के बाद उसमें क्या बदलाव आता है। कुछ पौधों में ऐसी गतियाँ भी दिखाई देती हैं जिन्हें अपेक्षाकृत कम समय में देखा जा सकता है। मूलजड़ पृथ्वी की पतियाँ और विकसित होते फूल प्रकाश की दिशा के अनुसार अपनी स्थिति बदल सकते हैं। कुछ पौधों की पतियाँ स्पर्श करने पर स्पष्ट प्रतिक्रिया देती हैं। ये गतिविधियाँ बताती हैं कि पौधे जीवित प्राणी हैं और अपने आसपास के वातावरण के प्रति प्रतिक्रिया करते हैं। यद्यपि पौधों में मनुष्यों की तरह मस्तिष्क

और तंत्रिका तंत्र नहीं होता, फिर भी वे प्रकाश, गुरुत्वाकर्षण, नमी, तापमान और अन्य पर्यावरणीय संकेतों को पहचानकर प्रतिक्रिया देते हैं।

मिट्टी के नीचे छिपी जड़ों की दुनिया

पौधे के विकास का एक बड़ा हिस्सा मिट्टी के नीचे होता है, जिसे हम आसानी से देख नहीं पाते। जड़ें मिट्टी में फैलकर पानी और आवश्यक खनिजों को अवशोषित करती हैं। जड़ों पर मौजूद सूक्ष्म रोम अवशोषण के लिए सतह का क्षेत्र बढ़ाते हैं, जबकि जड़ों के अग्रभाग आसपास की मिट्टी में आगे बढ़ते हैं। स्वस्थ जड़ें पौधे को मिट्टी में मजबूती से टिकाए रखती हैं और बदलती पर्यावरणीय परिस्थितियों में जीवित रहने में सहायता

करती हैं। उनका विकास मिट्टी की नमी, पोषक तत्वों, ऑक्सीजन और मिट्टी की बनावट पर निर्भर करता है। विद्यार्थी एक सरल प्रयोग के माध्यम से इस छिपी हुई प्रक्रिया को समझ सकते हैं। अंकुरित होने वाले रोम या चने के बीज को एक पारदर्शी पात्र में नम रुई या कागज के बीच रखिए। कई दिनों तक जड़ और अंकुर को नियमित की प्रक्रिया को देखिए। माध्यम को नम रखें, लेकिन उसमें अत्यधिक पानी जमा न होने दें। पौधे को अनुकूल तापमान भी उपलब्ध कराएँ। यह छोटा-सा प्रयोग कक्षा के सामान्य पाठ को रोचक वैज्ञानिक खोज में बदल सकता है।

प्रकाश, पानी और प्रकृति की भाषा

पौधे अपने वातावरण के प्रति लगातार प्रतिक्रिया करते हैं। प्रकाश संश्लेषण के लिए सूर्य का प्रकाश ऊर्जा प्रदान करता है, जबकि पानी आवश्यक रासायनिक प्रतिक्रियाओं में सहायता करता है और पौधों की कोशिकाओं को उचित दृढ़ता बनाए रखने में मदद करता है। मिट्टी से मिलने वाले खनिज नए ऊतकों और कोशिकाओं के निर्माण में योगदान देते हैं। पानी की कमी से पौधे मुरझा सकते हैं, जबकि अत्यधिक पानी जड़ों तक ऑक्सीजन पहुँचने में बाधा उत्पन्न कर सकता है। पर्याप्त प्रकाश न मिलने से विकास कमजोर हो सकता है और

अत्यधिक तापमान पौधों के ऊतकों को नुकसान पहुंचा सकता है। इन परिवर्तनों को देखकर हम समझते हैं कि पौधों के विकास के लिए संतुलन आवश्यक है। प्रकृति में विकास किसी एक कारक पर निर्भर नहीं करता, बल्कि अनेक परिस्थितियों के परस्पर प्रभाव से होता है। पौधों में प्रकाशानुवर्तन भी पाया जाता है, जिसमें तने और अंकुर प्रकाश की दिशा में बढ़ते हैं। इसी प्रकार, गुरुत्वानुवर्तन के कारण जड़ें और तने गुरुत्वाकर्षण के प्रति अपनी प्रतिक्रिया के अनुसार बढ़ते हैं। ये प्रक्रियाएँ पौधों को अपने वातावरण में सही दिशा में विकसित होने में सहायता करती हैं।

पौधे हमें धैर्य और संघर्ष करना सिखाते हैं

आज की तेज गति वाली दुनिया में, जहाँ लोग तुरंत परिणाम चाहते हैं, पौधों का विकास हमें याद दिलाता है कि वास्तविक विकास में समय लगता है। एक बीज रातोंरात वृक्ष नहीं बन सकता। उसे अनुकूल परिस्थितियों, निरंतर देखभाल और पर्याप्त समय की आवश्यकता होती है। पौधे हमें परिस्थितियों के अनुसार ढलने की क्षमता का भी परिचय देते हैं। अनेक पौधे प्रकाश, पानी की उपलब्धता और तापमान में बदलाव के अनुसार अपने विकास में परिवर्तन कर सकते हैं।



ईसीएम चोरी करने वाले गिरोह के पांच आरोपी गिरफ्तार

गिरोह के सरगना राशिद उर्फ मच्छी समेत पांच आरोपी गिरफ्तार, चोरी की 10 ईसीएम, दो तमंचे, चार कारतूस, तीन चाकू और ब्रेजा कार बरामद

वेलकम इंडिया/हरेंद्र शर्मा

हापुड़। जनपद हापुड़ की स्वाट टीम और हाफिजपुर थाना पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए गाड़ियों की ईसीएम (इंजन कंट्रोल मॉड्यूल) चोरी करने वाले अंतरराज्यीय गिरोह का पदार्पण किया है। पुलिस ने गिरोह के सरगना राशिद उर्फ मच्छी समेत पांच आरोपितों को महमूदपुर नगर पुल के पास से गिरफ्तार किया है। आरोपितों के कब्जे से चोरी की 10 ईसीएम, दो अवैध तमंचे, चार कारतूस, तीन चाकू और वारदात में इस्तेमाल की जा रही ब्रेजा कार बरामद की गई है। पुलिस के अनुसार, गिरोह के सदस्य दिल्ली-एनसीआर समेत विभिन्न क्षेत्रों में सड़क किनारे खड़ी गाड़ियों को निशाना बनाते थे और उनके लॉक तोड़कर कीमती ईसीएम चोरी कर फरार हो जाते थे। पुलिस के मुताबिक, गिरफ्तार आरोपित



सुनियोजित तरीके से वाहन चोरी की घटनाओं को अंजाम देते थे। गिरोह के सदस्य सड़क किनारे खड़ी गाड़ियों की पहचान कर उनके लॉक तोड़ते और अंदर लगी ईसीएम निकाल लेते थे। इसके बाद चोरी किए गए उपकरणों को बेचकर आर्थिक लाभ कमाते थे। ईसीएम वाहन के इंजन और उसके संचालन से जुड़ी एक महत्वपूर्ण इलेक्ट्रॉनिक इकाई होती है, जिसकी

कीमत अधिक होने के कारण चोर उसे निशाना बनाते थे। पुलिस अब बरामद ईसीएम के संबंध में जानकारी जुटा रही है, ताकि चोरी की अन्य घटनाओं का खुलासा किया जा सके। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपितों की पहचान राशिद उर्फ मच्छी निवासी नहाल, थाना मसूरी, गाजियाबाद के रूप में हुई है, जिसे गिरोह का सरगना बताया गया है। इसके अलावा अरशद,



फराज, अमन और उस्मान निवासी पर्सोडा-पोंडा क्षेत्र, थाना टीला मोड़, गाजियाबाद को भी गिरफ्तार किया गया है। पुलिस का दावा है कि आरोपितों के खिलाफ दिल्ली, गाजियाबाद, बुलंदशहर, बागपत और हापुड़ समेत विभिन्न जनपदों में चोरी, लूट, गैंगस्टर और आयुध अधिनियम सहित कई मामलों में मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस के मुताबिक, गिरोह के सदस्यों के

खिलाफ करीब छह दर्जन आपराधिक अभियोग दर्ज होने की जानकारी सामने आई है। गिरफ्तारी के दौरान पुलिस ने चोरी की 10 ईसीएम के साथ दो अवैध तमंचे, चार जिंदा कारतूस और तीन अवैध चाकू बरामद किए हैं। इसके अतिरिक्त वारदात में इस्तेमाल की जा रही दिल्ली नंबर की ब्रेजा कार को भी कब्जे में लिया गया है। पुलिस बरामद सामान के आधार पर गिरोह की

गतिविधियों और चोरी की घटनाओं से जुड़े अन्य साक्ष्य जुटाने में लगी है। गिरफ्तारी और बरामदगी के संबंध में थाना हाफिजपुर में मुकदमा दर्ज कर आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है। गिरोह का पदार्पण करने वाली हाफिजपुर थाना पुलिस की टीम में प्रभारी निरीक्षक अतुल कुमार चौहान, उपनिरीक्षक वरुण कुमार सिंह, भानु प्रताप और ललित कुमार शामिल रहे। वहीं, जनपदीय स्वाट टीम की ओर से उपनिरीक्षक नसीम खान और जितिन शर्मा ने कार्रवाई में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। पुलिस अब गिरफ्तार आरोपितों से पूछताछ के आधार पर गिरोह के नेटवर्क, चोरी की ईसीएम खरीदने और बेचने वालों तथा अन्य संभावित वारदातों के संबंध में जानकारी जुटा रही है। पुलिस को उम्मीद है कि पूछताछ और बरामदगी के आधार पर वाहन चोरी से जुड़े अन्य मामलों का भी खुलासा हो सकता है।

सड़क दुर्घटना के मामले में वांछित ट्रैक्टर चालक गिरफ्तार



वेलकम इंडिया/राजेंद्र सिंह

हापुड़। जनपद में अपराध की रोकथाम एवं वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत बाबूगढ़ थाना पुलिस ने दो दिन पूर्व थाना क्षेत्र में हुई सड़क दुर्घटना के मामले में वांछित ट्रैक्टर चालक को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी को उसके मकान से गिरफ्तार कर लिया। मामले में अग्रिम विधिक

कार्रवाई की जा रही है। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपी कपिल पुत्र करतार सिंह निवासी ग्राम गोहरा आलमगीरपुर, थाना बाबूगढ़, जनपद हापुड़ है। आरोपी के खिलाफ थाना बाबूगढ़ में मु०अ०सं० 320/26 के तहत धारा 281, 105, 125(ए) और 125(बी) बीएनएस में मुकदमा दर्ज है। गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में उपनिरीक्षक रोहित कुमार और कांस्टेबल फिरोज खां शामिल रहे।

पर्वों को लेकर डीएम ने देर रात परखी व्यवस्थाएं, सुरक्षा, यातायात व भीड़ प्रबंधन पर विशेष जोर

विजय द्विवेदी/वेलकम इंडिया

प्रतापगढ़। जिलाधिकारी अभिषेक पाण्डेय ने मंगलवार देर रात्रि शारदीय नवरात्रि, दशहरा, मूर्ति विसर्जन एवं भरत मिलाप मेले के दृष्टिगत माँ बेल्हा देवी धाम, भरत चौक तथा मूर्ति विसर्जन स्थल का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने सुरक्षा, साफ-सफाई, विद्युत, यातायात एवं श्रद्धालुओं की सुविधा से जुड़ी व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि पर्वों के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के आवागमन को देखते हुए प्रमुख स्थलों पर पर्याप्त बैरिकेडिंग की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए निर्बाध विद्युत आपूर्ति, पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था तथा नियमित साफ-सफाई पर विशेष ध्यान दिया जाए। उन्होंने मार्गों को अतिक्रमण मुक्त रखते



हुए यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि भीड़ प्रबंधन के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं, ताकि किसी भी स्थान पर अव्यवस्था की स्थिति उत्पन्न न हो। संवेदनशील स्थलों पर विशेष सतर्कता बरतने तथा आवश्यकतानुसार सुरक्षा व्यवस्था को और सुदृढ़ करने के निर्देश भी दिए गए। जिलाधिकारी ने सभी संबंधित विभागों के अधिकारियों को आपसी समन्वय के

साथ सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय से पूर्ण करने को कहा। उन्होंने निर्देशित किया कि पर्वों के दौरान श्रद्धालुओं एवं आमजन को किसी प्रकार की असुविधा न हो और सभी आयोजन सुरक्षित, सुव्यवस्थित एवं शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न हों। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को अपने-अपने दायित्वों का पूरी गंभीरता एवं जिम्मेदारी के साथ निर्वहन करने तथा व्यवस्थाओं की लगातार निगरानी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

वेलकम इंडिया/हरेंद्र शर्मा

हापुड़। जनपद हापुड़ के कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी कविता मीना की अध्यक्षता में मेरठ खंड स्नातक निर्वाचन क्षेत्र के एमएलसी चुनाव की तैयारियों एवं राजस्व वसूली की प्रगति को लेकर समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में संबंधित अधिकारियों को चुनाव प्रक्रिया को निष्पक्ष, शांतिपूर्ण और व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के साथ-साथ राजस्व वसूली में तेजी लाने के निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि चुनाव संबंधी तैयारियों और राजस्व मामलों के निस्तारण में किसी भी स्तर पर लापरवाही नहीं होनी चाहिए। बैठक में जिलाधिकारी ने कहा कि मेरठ खंड स्नातक निर्वाचन क्षेत्र के एमएलसी चुनाव को निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए सभी आवश्यक तैयारियां निर्धारित समय के भीतर पूरी



कर ली जाएं। मतदाता सूची के पुनरीक्षण कार्य में तेजी लाई जाए और अधिक से अधिक पात्र स्नातक मतदाताओं का पंजीकरण सुनिश्चित किया जाए, ताकि कोई भी पात्र मतदाता सूची में शामिल होने से वंचित न रहे। उन्होंने सभी उपजिलाधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में मतदान केंद्रों का भौतिक सत्यापन करने के निर्देश दिए। मतदान केंद्रों पर उपलब्ध व्यवस्थाओं का जायजा लेकर आवश्यक कमियों को समय रहते दूर करने पर भी जोर दिया गया। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों से चुनाव प्रक्रिया से जुड़े कार्यों की नियमित निगरानी करने और आपसी समन्वय के साथ जिम्मेदारियों का निर्वहन करने को कहा। राजस्व वसूली की समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी कविता मीना ने खराब प्रगति पर नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को राजस्व वसूली के निर्धारित लक्ष्यों को

समय रहते दूर करने पर भी जोर दिया गया। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों से चुनाव प्रक्रिया से जुड़े कार्यों की नियमित निगरानी करने और आपसी समन्वय के साथ जिम्मेदारियों का निर्वहन करने को कहा। राजस्व वसूली की समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी कविता मीना ने खराब प्रगति पर नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को राजस्व वसूली के निर्धारित लक्ष्यों को

जिलाधिकारी की उपस्थिति में जवाहर नवोदय विद्यालय नवादा में फुटबॉल फॉर स्कूल कार्यक्रम का हुआ आयोजन



वेलकम इंडिया/हरेंद्र शर्मा

हापुड़। जनपद की जिलाधिकारी कविता मीना की उपस्थिति में जवाहर नवोदय विद्यालय, नवादा, हापुड़ में फुटबॉल फॉर स्कूल कार्यक्रम के तहत फीफा फुटबॉल वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया कार्यक्रम का शुभारंभ जिलाधिकारी के द्वारा छत्र-छात्राओं को फुटबॉल वितरित कर किया गया। जिलाधिकारी कविता मीना ने कहा कि फुटबॉल फॉर स्कूल कार्यक्रम भारत

सरकार एवं फीफा का एक महत्वपूर्ण संयुक्त अभियान है, जिसका उद्देश्य बच्चों में खेल भावना, अनुशासन, टीम वर्क और शारीरिक फिटनेस को बढ़ावा देना है। जनपद के सभी परिषद एवं अन्य विद्यालयों में खेलों को बढ़ावा दिया जाएगा। उन्होंने बच्चों से कहा कि वे पढ़ाई के साथ-साथ खेल में भी अपना भविष्य बनाएं और जनपद का नाम रोशन करें। इस दौरान जिलाधिकारी महोदया ने विद्यालय परिसर का भ्रमण किया और छत्र-छात्राओं से संवाद भी किया।

सपा प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल को वीरेंद्र और बंटी पाल ने दी जन्मदिन की बधाई



हापुड़ (वेलकम इंडिया)। जनपद हापुड़ के विकासखंड सिंभावली क्षेत्र के ग्राम अट्टा के ग्राम प्रधान वीरेंद्र पाल उर्फ बंटी पाल ने लखनऊ में समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल से शिष्टाचार भेंट कर उन्हें जन्मदिन की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। इस दौरान उन्होंने श्यामलाल पाल के स्वस्थ, सुखी एवं दीर्घायु जीवन की कामना की। इस अवसर पर ग्राम प्रधान वीरेंद्र पाल उर्फ बंटी पाल ने कहा कि श्यामलाल पाल का जन्मदिन उनके लिए शुभकामनाएं देने का विशेष अवसर है। उन्होंने कहा कि समाज के

सभी वर्गों को साथ लेकर चलना और जनहित के मुद्दों को प्रमुखता से उठाना जननीति में महत्वपूर्ण है। उन्होंने श्यामलाल पाल के उज्ज्वल भविष्य और निरंतर सफलता की कामना करते हुए आशा व्यक्त की कि वे आगे भी जनसेवा और संगठन को मजबूत बनाने के लिए कार्य करते रहेंगे। ग्राम प्रधान वीरेंद्र पाल उर्फ बंटी पाल ने कहा कि श्यामलाल पाल को जन्मदिन की बधाई देना उनके लिए खुशी का अवसर है। उन्होंने उनके स्वस्थ जीवन और लंबी उम्र की कामना करते हुए हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित कीं।

बाबूगढ़ पुलिस ने विद्यार्थियों को साइबर अपराधों से बचाव के प्रति किया जागरूक, छात्राओं को दी करियर गाइडेंस



वेलकम इंडिया/राजेंद्र सिंह

हापुड़। मिशन शक्ति फेज-6.0 अभियान के तहत थाना बाबूगढ़ पुलिस ने 15 अक्टूबर 2026 को सिमरौली स्थित विकास ग्लोबल स्कूल में साइबर सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम एवं महिलाओं और बालिकाओं के लिए करियर गाइडेंस कार्यक्रम का आयोजन किया। थाना प्रभारी प्रवीण कुमार के निर्देशन में आयोजित कार्यक्रम में

मिशन शक्ति टीम प्रभारी एसआई मनीषा, साइबर टीम प्रभारी एसआई अंकुल और थाना बाबूगढ़ की टीम ने छात्र-छात्राओं को साइबर अपराधों से बचाव के प्रति जागरूक किया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को फर्जी सोशल मीडिया आईडी, ओटीपी के जरिए धोखाधड़ी, सदिग्ध लिंक और डिजिटल अरेस्ट जैसे बढ़ते साइबर अपराधों के बारे में जानकारी दी गई। पुलिस टीम ने बताया कि अपनी निजी

जानकारी, फोटो, पासवर्ड और बैंक संबंधी विवरण किसी अनजान व्यक्ति के साथ साझा नहीं करने चाहिए। साथ ही सोशल मीडिया अकाउंट की सुरक्षा के लिए टू-स्टेप वेरिफिकेशन का इस्तेमाल करने की सलाह दी गई। इस दौरान उत्तर प्रदेश पुलिस मुख्यालय की ओर से श्री रक्षित टंडन द्वारा प्रसारित लाइव साइबर सुरक्षा सत्र भी विद्यार्थियों को दिखाया गया। पुलिस टीम ने साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930, वुमेन पावर

लाइन 1090, आपातकालीन सेवा 112 और चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 के बारे में विस्तार से जानकारी दी। कार्यक्रम के माध्यम से छात्राओं को अपने भविष्य के प्रति जागरूक रहने और करियर संबंधी उचित मार्गदर्शन प्राप्त करने के लिए भी प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में स्कूल प्रबंधक विकास तेवतिया, प्रधानाचार्य वर्षा तेवतिया सहित विद्यालय का समस्त स्टाफ मौजूद रहा।

प्रतापगढ़ में पुलिस कप्तान का अपराधियों पर रोजाना प्रहार, फिर भी अपराधों में वयों नहीं आ रही कमी?

विजय द्विवेदी/वेलकम इंडिया

प्रतापगढ़। जनपद में अपराधियों के खिलाफ पुलिस कप्तान दीपक भूकर के निर्देशन में पुलिस की कार्रवाई लगातार चर्चा में है। अपराध नियंत्रण के लिए पुलिस की ओर से गिरफ्तारी, छापेमारी और अन्य कानूनी कार्रवाई किए जाने के बावजूद जिले में अपराध की समस्या को लेकर सवाल उठ रहे हैं। ऐसे में सबसे बड़ा सवाल यह है कि आखिर पुलिस की सख्ती के बाद भी अपराध की घटनाओं पर प्रभावी अंकुश कैसे लगाया जाए?

जिले में कानून-व्यवस्था बनाए रखना पुलिस प्रशासन के सामने एक महत्वपूर्ण चुनौती है। अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई करना पुलिस की जिम्मेदारी का अहम हिस्सा है, लेकिन आम जनता की अपेक्षा केवल गिरफ्तारी तक सीमित नहीं है। लोग चाहते हैं कि उनके घर, दुकान, बाजार, सड़क और सार्वजनिक स्थान सुरक्षित रहें तथा अपराध होने

से पहले ही उसे रोकने के लिए प्रभावी कदम उठाए जाए।

कार्रवाई के बाद भी क्यों हो रहे रोज अपराध ?

अपराध पर नियंत्रण के लिए प्रतापगढ़ पुलिस की सक्रिय है, लेकिन केवल कार्रवाई की संख्या से कानून-व्यवस्था की वास्तविक स्थिति का आकलन नहीं किया जा सकता। यह देखा भी आवश्यक है कि अपराध की घटनाओं में कितनी कमी आई, गंभीर मामलों का खुलासा कितनी तेजी से हुआ और पीड़ितों को समय पर न्याय दिलाने के लिए क्या कदम उठाए गए। यदि किसी क्षेत्र में बार-बार आपराधिक घटनाएं सामने आती हैं, तो उनकी वजहों की गहराई से जांच करना जरूरी हो जाता है। स्थानीय विवाद, आपसी रंजिश, जमीन संबंधी झगड़े, आर्थिक लेन-देन और अन्य कारणों से उत्पन्न विवादों को समय रहते सुलझाने से कई घटनाओं को गंभीर रूप लेने से रोका जा सकता है।



हालांकि, किसी घटना के पीछे वास्तविक कारण की पुष्टि जांच के बाद ही की जानी चाहिए। अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई का असर तभी लंबे समय तक दिखाई देगा, जब पुलिस की सक्रियता के साथ संवेदनशील क्षेत्रों में नियमित निगरानी, सदिग्ध गतिविधियों पर कानून के दायरे में कार्रवाई और शिकायतों पर त्वरित सुनवाई

सुनिश्चित हो। ग्रामीण इलाकों से लेकर कस्बों और शहरी क्षेत्रों तक पुलिस की पहुंच मजबूत करना भी जरूरी है। बीट पुलिसिंग, स्थानीय स्तर पर जनसंवाद, रात्रि गश्त और संवेदनशील स्थानों पर निगरानी जैसे कदम अपराध की रोकथाम में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। इसके साथ ही महिलाओं, बुजुर्गों, व्यापारियों और आम नागरिकों की

सुरक्षा को प्राथमिकता देना आवश्यक है। पीड़ितों की शिकायतों को गंभीरता से सुनना और बिना किसी दबाव के निष्पक्ष जांच करना पुलिस के प्रति जनता का भरोसा बढ़ाने में मदद कर सकता है। अपराध पर अंकुश लगाने की जिम्मेदारी केवल पुलिस की नहीं, बल्कि समाज की भी है। नागरिकों को किसी सदिग्ध गतिविधि या

अपराध की जानकारी मिलने पर पुलिस को सूचित करना चाहिए। अफवाहों और अशुभ सुचनाओं को फैलाने से बचना भी उतना ही आवश्यक है। पुलिस और जनता के बीच बेहतर तालमेल होने से अपराध की रोकथाम में मदद मिल सकती है। वहीं, किसी भी मामले में कानून को अपने हाथ में लेने के बजाय कानूनी प्रक्रिया का पालन करना चाहिए।

सवाल- जनता खुद को कब पूरी तरह महसूस कर पाएगी !

प्रतापगढ़ में अपराधियों के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई अपनी जगह महत्वपूर्ण है, लेकिन जनता के लिए सबसे बड़ा परिणाम सुरक्षित माहौल है। पुलिस की सफलता का वास्तविक पैमाना केवल कितने अपराधियों को गिरफ्तार किया गया, यह नहीं, बल्कि अपराध की रोकथाम, मामलों का निष्पक्ष खुलासा और नागरिकों में सुरक्षा की भावना भी है। अब आवश्यकता इस बात की है कि अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई के साथ अपराध की जड़ों तक पहुंचने की रणनीति अपनाई जाए। संवेदनशील क्षेत्रों की पहचान, समयबद्ध जांच, नियमित गश्त और जनता की शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई को प्राथमिकता दी जाए। कुल मिलाकर प्रतापगढ़ में अपराधियों पर पुलिस का प्रहार तभी सार्थक माना जाएगा, जब अपराध की घटनाओं में वास्तविक कमी आए और आम नागरिक स्वयं को सुरक्षित महसूस करें। अर्जुन गौतम जैसी मौत वो भी पुलिस कस्टडी में न हो। अन्याय पुलिस की भूमिका सदिग्ध रहेगी।

जवाबदेही और पारदर्शिता की अति आवश्यकता

प्रतापगढ़ में अपराध नियंत्रण को लेकर पुलिस प्रशासन की जवाबदेही का आकलन तथ्यों के आधार पर होना चाहिए। इसके लिए अपराध के आंकड़ों, मामलों के खुलासे, आरोपपत्र दाखिल होने, लंबित विवेचनाओं और न्यायिक प्रक्रिया की स्थिति का नियमित विश्लेषण जरूरी है। यह भी महत्वपूर्ण है कि गंभीर अपराधों के मामलों में पीड़ित परिवारों को उचित जानकारी मिले और जांच निष्पक्ष तरीके से आगे बढ़े। अपराध के प्रति शून्य सहनशीलता का संदेश तभी प्रभावी होगा, जब कार्रवाई कानून के अनुसार हो और किसी निर्दोष व्यक्ति के साथ अन्याय न हो।

सेवा संकल्प अभियान के समापन पर भाजपा कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित

ठाकुर रामजी लाल ने किया कार्यकर्ताओं का स्वागत, सेवा और समर्पण के संकल्प को आगे बढ़ाने पर दिया जोर

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा/गोवर्धन। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन और उनके सार्वजनिक जीवन में सेवा, सुशासन एवं राष्ट्र निर्माण के 25 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में चलाए गए ‘सेवा संकल्प अभियान’ के समापन अवसर पर भाजपा कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन में भाजपा पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं और क्षेत्र के गणमान्य लोगों ने भाग लिया। कार्यक्रम में ठाकुर रामजी लाल ने सम्मेलन में पहुंचे सभी कार्यकर्ताओं का स्वागत एवं अभिनंदन किया। उन्होंने कार्यकर्ताओं से संगठन की एकजुटता बनाए रखने और जनसेवा



की भावना के साथ कार्य करने का आह्वान किया। सम्मेलन में सेवा, समर्पण और राष्ट्र निर्माण के संकल्प को जन-जन तक पहुंचाने पर जोर दिया गया। कार्यक्रम स्थल पर लगाए

गए बैनर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित भाजपा के वरिष्ठ नेताओं के चित्र प्रदर्शित किए गए। सम्मेलन के माध्यम से कार्यकर्ताओं को सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को

आमजन तक पहुंचाने तथा पात्र लोगों को योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए प्रेरित किया गया। इस दौरान संगठन की मजबूती, आपसी समन्वय और जनहित के कार्यों में सक्रिय भागीदारी निभाने पर बल दिया गया। कार्यकर्ताओं ने सेवा और समर्पण की भावना के साथ समाज के जरूरतमंद लोगों की सहायता करने तथा जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रति लोगों को जागरूक करने का संकल्प व्यक्त किया। सम्मेलन का उद्देश्य सेवा संकल्प अभियान के संदेश को आगे बढ़ाते हुए कार्यकर्ताओं को जनसेवा के लिए प्रेरित करना और राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका निभाने का आह्वान करना रहा।

सेवा पथ से स्वावलंबन की ओर एक नई पहल



वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा। सेवा पथ के माध्यम से सेवा की यह यात्रा गुरुवार को नक्सल प्रभावित क्षेत्र सुकमा, छत्तीसगढ़ पहुंची। यहाँ पुलिस लाइन में सेवा पथ स्वावलंबी केंद्र का उद्घाटन श्री याम वृंदावन के अंतरराष्ट्रीय भागवताचार्य श्रद्धेय श्री संजीव कृष्ण ठाकुर जी एवं सुकमा के पुलिस अधीक्षक, आईपीएस मर्यंक गुर्जर के कर-कमलों द्वारा किया गया। भारत सरकार एवं केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के

हृद्द संकल्प और प्रयासों से क्षेत्र में नक्सलवाद खत्म होने की ओर है,जिसके लिए गृह मंत्री बघाई के पात्र हैं। हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है कि इस क्षेत्र में शांति, विकास और खुशहाली को बढ़ावा देने के साथ-साथ यहाँ के लोगों के उज्ज्वल भविष्य के निर्माण में अपना योगदान दें।इस केंद्र के माध्यम से 150 महिलाएँ तीन महीने तक सिलाई-टेलरिंग, ब्यूटीशियन एवं मेहंदी लगाने का निःशुल्क प्रशिक्षण प्राप्त करेंगी। प्रशिक्षण पूर्ण होने के बाद प्रत्येक

महिला को उपहार स्वरूप एक-एक सिलाई मशीन प्रदान की जाएगी, ताकि वे आत्मनिर्भर बनकर सम्मानपूर्वक अपना जीवन यापन कर सकें। हमारा उद्देश्य केवल प्रशिक्षण देना नहीं, बल्कि इन बहनों के जीवन में आत्मविश्वास, आत्मसम्मान और स्वावलंबन की नई ज्योति जगाना है। इस अवसर पर एंडिशनल एसपी सुकमा रोहित शाह, ट्रस्ट के सचिव राजीव शर्मा,सेवा पथ वालंटियर श्याम शर्मा सहित अनेको पुलिस अधिकारियों की उपस्थिति रही।

झमाझम बारिश से रामलीला मेला परिसर में जलभराव,दुकानदारों का कामकाज प्रभावित



वेलकम इंडिया/मोहसिन रहमानी

कांथला। नगर के कैराना मार्ग पर रामलीला मेला महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। मेले में रोजाना हजारों की तादद में श्रद्धालु और क्षेत्र के लोग पहुंचकर खरीदारी व मनोरंजन का लुप्त उठा रहे हैं। गुरुवार को अचानक हुई झमाझम बारिश से मेला परिसर में जलभराव हो गया। वहीं, तेज बारिश के कारण कई दुकानदारों के तंबू भी उखड़ गए।

दुकानदार भोले ने बताया कि बारिश के चलते उनका तंबू उखड़ गया और मेला परिसर में पानी भरने से कामकाज पूरी तरह प्रभावित हो गया। उन्होंने कहा कि बारिश के कारण उनकी मेहनत पर पानी फिर गया है। दुकानदारों ने रामलीला मेला कमेटी और प्रशासन से मेला परिसर में भरे पानी की निकासी कराने की मांग की है, ताकि उन्हें राहत मिल सके और मेले में आने वाले लोगों को भी परेशानी का सामना न करना पड़े।

सड़क के गड्ढे से पलटी ई-रिक्शा, चालक घायल

कांथला। कस्बे के रेलवे मार्ग पर सड़क में बने गड्ढे के कारण गुरुवार को एक ई-रिक्शा अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में ई-रिक्शा चालक घायल हो गया। आसपास के दुकानदारों ने घायल चालक को निजी अस्पताल में भर्ती कराया स्थानीय दुकानदारों ने नगरपालिका प्रशासन से सड़क को गड्ढामुक्त कराने की मांग की है।इामली निवासी अनुज कुमार गुरुवार को अपनी ई-रिक्शा में किरयाना का सामान भरकर कस्बे के एक व्यापारी के यहां लेकर आया था। बताया गया कि जब वह रेलवे मार्ग पर माता मंदिर के समीप पहुंचा, तो सड़क में बने गड्ढे के कारण ई-रिक्शा का संतुलन बिगड़ गया। इससे ई-रिक्शा सड़क पर पलट गई और चालक अनुज कुमार चोटिल हो गया। हादसे के बाद मौके पर आसपास के दुकानदार एकत्र हो गए और घायल को उपचार के लिए निजी अस्पताल पहुंचाया। दुकानदार राजवीर, पप्पू, राहुल, अमित और नदीम ने बताया कि सड़क पर गड्ढे होने से हादसों का खतरा बना रहता है।

पत्रकार पर जानलेवा हमला, चाकू के वार से उंगली कटी, दो गिरफ्तार



वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा। कस्बा चौमुहां में बुधवार देर शाम कानून-व्यवस्था को चुनौती देते हुए दो युवकों ने स्थानीय पत्रकार पर जानलेवा हमला कर दिया। आरोपियों ने पत्रकार को लाठी-डंडों से बुरी तरह पीटा और चाकू से वार कर उनके बाएं हाथ की पहली उंगली काटकर पंजे से अलग कर दी। चीख-पुकार सुनकर परिजनों और आसपास के लोगों के पहुंचने पर आरोपी भागने लगे, जिन्हें पुलिस ने घेराबंदी कर गिरफ्तार कर

तेज हवाओं से जमीन पर गिरी धान की फसल, किसानों ने मुआवजे की मांग की

कांथला। क्षेत्र में लगातार बदल रहे मौसम का असर अब किसानों की फसलों पर भी दिखाई देने लगा है। तेज हवाओं के कारण थाना क्षेत्र के कई गांवों में धान की फसल जमीन पर गिर गई, जिससे किसानों को भारी नुकसान होने की आशंका है। फसल खराब होने से किसानों की चिंता बढ़ गई है।थाना क्षेत्र के किसान असलम, जहूर, हरिकिशन, मुकेश सहित अन्य किसानों ने बताया कि तेज हवाओं के चलते खेतों में खड़ी धान की फसल जमीन पर बिछ गई है। इससे फसल की गुणवत्ता प्रभावित होने के साथ ही उत्पादन में भी कमी आने की आशंका है। किसानों का कहना है कि उन्होंने फसल तैयार करने के लिए दिन-रात मेहनत की और काफी खर्च किया था, लेकिन मौसम की मार ने उनकी मेहनत पर पानी फेर दिया। किसानों ने प्रदेश सरकार से प्रभावित खेतों का सर्वे कराकर नुकसान का आकलन कराने और उचित मुआवजा दिलाने की मांग की है, ताकि उन्हें आर्थिक राहत मिल सके।

एम एन पब्लिक स्कूल में मिशन शक्ति फेज-6 के तहत छात्राओं को किया जागरूक

करियर काउंसलिंग, साइबर सुरक्षा और महिला संरक्षण पर दी गई जानकारी, पुलिस टीम ने छात्राओं को बताया आत्मनिर्भरता का महत्व

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। सेमरियावां विकासखंड के सोनौरा गौसी स्थित एमएन पब्लिक स्कूल में सोमवार को मिशन शक्ति फेज-6 के तहत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें छात्र-छात्राओं को करियर मार्गदर्शन, साइबर अपराधों से बचाव, महिला सुरक्षा और सरकारी कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक करने के साथ उन्हें आत्मनिर्भर और स्वावलंबी बनने के लिए प्रेरित करना रहा। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न कोचिंग संस्थानों से आए शिक्षकों ने विद्यार्थियों को उनकी रुचि और योग्यता के अनुसार करियर चुनने की सलाह दी। साथ ही उत्तर प्रदेश सरकार की निःशुल्क अभ्युदय कोचिंग योजना के बारे में जानकारी देकर प्रतियोगी



परीक्षाओं की तैयारी के लिए प्रेरित किया गया। वक्ताओं ने कहा कि सही मार्गदर्शन, मेहनत और लगन से विद्यार्थी अपने लक्ष्य को प्राप्त कर सकते हैं। साइबर अपराधों और ऑनलाइन ठगी के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए पुलिस मुख्यालय लखनऊ से लाइव प्रसारण किया गया।

इसके माध्यम से विद्यार्थियों को साइबर सुरक्षा के महत्वपूर्ण उपाय बताए गए। अनजान लिंक पर क्लिक नहीं करने, ओटीपी किसी के साथ साझा नहीं करने और ऑनलाइन लेनदेन के दौरान सतर्कता बरतने की सलाह दी गई। इसके अलावा महिला एवं बालिका सुरक्षा से जुड़े हेल्पलाइन नंबरों और

सरकारी योजनाओं की जानकारी भी दी गई। कार्यक्रम में उप निरीक्षक प्रदीप सिंह ने कहा कि मिशन शक्ति फेज-6 का उद्देश्य महिलाओं और बालिकाओं को सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराने के साथ उन्हें जागरूक एवं आत्मनिर्भर बनाना है। उन्होंने कहा कि ऐसे कार्यक्रम छात्राओं में आत्मविश्वास

जय चौबे का जन्मदिन: देवरिया लाल के प्रधान साजिद खान ने दी बधाई, की दीघार्यु की कामना



वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। पूर्व विधायक एवं राजनीतिक गुरु दिवंगज नारायण उर्फ जय चौबे के जन्मदिन के अवसर पर उनके आवास पर बधाई देने वालों का तांता लगा रहा। इसी क्रम में देवरिया लाल के ग्राम प्रधान साजिद खान ने पूर्व विधायक के आवास पर पहुंचकर उन्हें जन्मदिन की आत्मीय शुभकामनाएं दीं। इस दौरान प्रधान साजिद खान ने पूर्व विधायक जय चौबे को प्रतीक चिन्ह

(मोमेंटो), फूलों का गुलदस्ता और माला भेंट कर उनका स्वागत किया। उन्होंने गर्मजोशी के साथ श्री चौबे को दीघार्यु और उत्तम स्वास्थ्य की शुभकामनाएं दीं। शुभकामनाएं देने के बाद मीडिया से बातचीत करते हुए ग्राम प्रधान साजिद खान ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि भैया (जय चौबे) मेरे लिए सर्वोपरि हैं, और उनके राजनीतिक मार्गदर्शन को अपने लिए प्रेरणास्त्रोत बताया। इस मौके पर क्षेत्र के अन्य गणमान्य लोग और समर्थक भी मौजूद रहे।

मिसाइल मैने भारत रत्न पूर्व राष्ट्रपति ए पी जे अब्दुल कलाम जी की जयंती जिला अध्यक्ष प्रवीण चंद पाण्डेय के नेतृत्व में मनाई गई



वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। जिला कांग्रेस कार्यालय पर मिसाइल मैने भारत रत्न पूर्व राष्ट्रपति ए पी जे अब्दुल कलाम जी की जयंती जिला अध्यक्ष प्रवीण चंद पाण्डेय जी के नेतृत्व में मनाई गई। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने कलाम साहब के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर एक विचार गोष्ठी का भी आयोजन किया। गोष्ठी को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष प्रवीण चंद पाण्डेय जी ने कहा कि मिसाइल मैने के

नाम से प्रख्यात डाक्टर ए पी जे अब्दुल कलाम जी का योगदान भारत देश के लिए अभूतपूर्व है। एक अति गरीब परिवार में जन्म लेने के बाद कलाम साहब के अंदर शिक्षा और पढ़ाई के प्रति जो लगन थी उसी का नतीजा था की विश्व के प्रख्यात वैज्ञानिकों में अपने नाम को दर्ज कराया और देश के राष्ट्रपति के पद पर रहते हुए निष्पक्ष और बिना किसी दबाव के काम किया।स्वर्गीय अब्दुल कलाम साहब का कार्यकाल हमेशा देश के इतिहास के पन्नों में स्वर्णिम

युग की तरह दर्ज रहेगा ऐसे महान पुरुष को हम सभी कांग्रेस जन शत शत नमन करते हैं। आज की गोष्ठी में मुख्य रूप शांति देवी सुनील कुमार पाण्डेय अरुण पांडे दयाशंकर चौधरी चंद्रमणि त्रिपाठी अजय सिंह, परवेज अख्तर, शायर फेजान सिद्दीकी, जमुना प्रसाद, श्यामबिहारी उर्फ गोल्ड पासवान, सहारे आलम, रवि राय, रमेश चौधरी, जय प्रकाश पाण्डेय, रामाश्रय यादव, संजय चौरसिया, श्यामलाल, दुर्गेश पाठक सहित दर्जनों लोग मौजूद रहे।

वाराणसी में तनिष्क के नए शोरूम का शुभारंभ आज, एकेटी ग्रुप के विस्तार को मिलेगी नई गति

वेलकम इंडिया/संतोष कुमार सिंह

वाराणसी। संगठित खुदरा कारोबार में निरंतर विस्तार और प्रतिष्ठित राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय ब्रांडों के साथ साझेदारी के जरिए एकेटी ग्रुप अपनी सशक्त पहचान स्थापित कर रहा है। वर्ष 2012 में एक शोरूम से शुरू हुआ ग्रुप का कारोबारी सफर आज विभिन्न शहरों में लगभग 15 से 16 शोरूम तक पहुंच चुका है। अब ग्रुप ने आगामी दो से तीन वर्षों में अपने खुदरा कारोबार के नेटवर्क को 50 शोरूम तक पहुंचाने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किया है। इसी विस्तार योजना के तहत शुक्रवार, 16 अक्टूबर को वाराणसी के चितईपुर में एपेक्स हॉस्पिटल के सामने तनिष्क के नए शोरूम का



शुभारंभ किया जाएगा। यह जानकारी बृहस्पतिवार, 15 अक्टूबर को चितईपुर स्थित नए तनिष्क शोरूम में आयोजित पत्रकार वार्ता के दौरान एकेटी ग्रुप की ओर से अशोक तिवारी एवं ग्रुप डायरेक्टर आकाश तिवारी ने संयुक्त रूप से दी। उन्होंने ग्रुप की कारोबारी यात्रा, अब तक की उपलब्धियों, विभिन्न क्षेत्रों में विस्तार

और भविष्य की योजनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी साझा की। पत्रकारों से बातचीत में अशोक तिवारी एवं आकाश तिवारी ने बताया कि एकेटी ग्रुप की कारोबारी यात्रा वर्ष 2012 में तनिष्क के शोरूम के साथ शुरू हुई थी। इसके बाद ग्रुप ने वेस्टसाइड, टाइटन आईप्लस और डब्ल्यूओटी जैसे प्रतिष्ठित ब्रांडों के साथ जुड़कर अपने

खुदरा कारोबार का विस्तार किया। वर्ष 2016 में हेलिओस के शोरूम की शुरुआत के साथ घड़ियों के कारोबार में भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। उन्होंने बताया कि वर्ष 2020 में फैब्रिडिया और वर्ष 2021 में प्यूमा जैसे लोकप्रिय ब्रांडों के साथ साझेदारी कर ग्रुप ने फैशन एवं लाइफस्टाइल के क्षेत्र में अपनी गतिविधियों को और व्यापक बनाया। खुदरा कारोबार के साथ-साथ ग्रुप ने अन्य व्यावसायिक क्षेत्रों में भी विस्तार की दिशा में कदम बढ़ाए, जिससे उसके कारोबार का दायरा लगातार बढ़ता गया। ग्रुप के प्रतिनिधियों ने बताया कि वर्ष 2022 में टाटा कॉपर वाटर की फैक्ट्री स्थापित कर एकेटी ग्रुप ने विनिर्माण क्षेत्र में भी प्रवेश किया। वहीं, हॉस्पिटैलिटी क्षेत्र में भी अपनी व्यावसायिक

गतिविधियों का विस्तार किया। वर्ष 2024 से ग्रुप ने अपने विस्तार अभियान को नई गति देते हुए पांच अलग-अलग शहरों में प्यूमा के शोरूम स्थापित किए। इसके अतिरिक्त आजमगढ़ में संचालित कैरेटलेन शोरूम ने भी अपना पहला वर्ष पूरा कर लिया है। इस प्रकार आभूषण, फैशन, लाइफस्टाइल और अन्य व्यावसायिक क्षेत्रों में ग्रुप की मौजूदगी लगातार मजबूत हो रही है। विभिन्न ब्रांडों के साथ साझेदारी ने ग्रुप को नए बाजारों तक पहुंचने और ग्राहकों को विविध उत्पाद उपलब्ध कराने का अवसर दिया है। एकेटी ग्रुप के प्रतिनिधियों ने बताया कि विस्तार योजना के अंतर्गत वाराणसी के चितईपुर में एपेक्स हॉस्पिटल के सामने तनिष्क का नया शोरूम शुरू किया जा रहा है।

एक नवंबर को लगेगा मेगा विधिक सहायता शिविर, 44 विभाग देंगे योजनाओं का लाभ

तहसील स्तर पर पंजीकरण अभियान जारी, पात्र लाभार्थियों को मौके पर मिलेंगी सुविधाएं

वेलकम इंडिया संवाददाता

बुलंदशहर। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से एक नवंबर 2026 को आईपी कॉलेज परिसर-2, एनएच-34 पर मेगा विधिक सहायता एवं सेवा शिविर आयोजित किया जाएगा। शिविर में करीब 44 सरकारी विभागों के स्टॉल लगेंगे, जहां पात्र लाभार्थियों को विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का लाभ, प्रमाणपत्र और देय धनराशि के चेक वितरित किए जाएंगे। जनपद न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष संजय सिंह के निर्देशन में नौ अक्टूबर से जिले की तहसीलों और ब्लॉकों में लघु शिविर लगाए जा रहे हैं। इनका उद्देश्य पात्र लाभार्थियों को चिन्हित कर उनका पंजीकरण करना है। 14 अक्टूबर को शिकारपुर और डिबाई



तथा 15 अक्टूबर को स्थाना तहसील में शिविर आयोजित किए गए। इनमें अधिकारियों ने लोगों को सरकारी योजनाओं की जानकारी दी और मौके पर ही आवेदन व पंजीकरण की प्रक्रिया पूरी कराई। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के पूर्णकालिक सचिव विकास चौधरी ने बताया कि मेगा शिविर में स्वास्थ्य, समाज कल्याण,

दिव्यांगजन सशक्तिकरण, कृषि, शिक्षा, पंचायत राज, श्रम और प्रोबेशन समेत करीब 44 विभाग भाग लेंगे। उन्होंने जनपदवासियों से अपील की कि वे तहसील स्तर पर आयोजित लघु शिविरों में पहुंचकर पंजीकरण कराएं, ताकि एक नवंबर को आयोजित होने वाले मेगा शिविर में योजनाओं का लाभ प्राप्त कर सकें।

दुर्गा प्रतिमा विसर्जन को लेकर पुलिस और सिंचाई विभाग अलर्ट, निर्मली कुंड का किया संयुक्त निरीक्षण

वेलकम इंडिया/फतेह खान

अयोध्या। दुर्गा प्रतिमा विसर्जन को शांतिपूर्ण एवं सकुशल संपन्न कराने के लिए पुलिस और सिंचाई विभाग ने तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी क्रम में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. गौरव ग्रोवर के निर्देशन में क्षेत्राधिकारी नगर और सिंचाई विभाग के मुख्य अभियंता ने थाना कैट क्षेत्र स्थित निर्मली कुंड विसर्जन स्थल का संयुक्त निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने विसर्जन स्थल पर सुरक्षा व्यवस्था, बैरिकेडिंग, प्रकाश व्यवस्था, साफ-सफाई, यातायात प्रबंधन तथा श्रद्धालुओं की सुविधाओं का बारीकी से जांचा लिया। साथ ही विसर्जन के दौरान श्रद्धालुओं की भीड़ को व्यवस्थित रखने और किसी भी अग्रिय घटना से बचाव के लिए आवश्यक व्यवस्थाओं की समीक्षा की गई अधिकारियों ने संबंधित विभागों के कर्मचारियों को निर्देश दिए



कि विसर्जन स्थल पर सभी जरूरी व्यवस्थाएं समय से पूरी कर ली जाएं। बैरिकेडिंग और प्रकाश व्यवस्था दुरुस्त रखने के साथ साफ-सफाई पर विशेष ध्यान दिया जाए, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। इसके अलावा यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने और सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया गया। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि त्योहारों के दौरान शांति,

सुरक्षा और कानून-व्यवस्था बनाए रखना प्राथमिकता है। पुलिस और सिंचाई विभाग के इस संयुक्त निरीक्षण का उद्देश्य दुर्गा प्रतिमा विसर्जन सहित आगामी त्योहारों को सुरक्षित, व्यवस्थित और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराना है। प्रशासन की ओर से संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि विसर्जन के दौरान किसी भी प्रकार की अव्यवस्था उत्पन्न न हो।

राजस्थान की समृद्ध लोक संस्कृति और मांगणियार संगीत की मधुर स्वर-लहरियों से गूँजा सनबीम स्कूल अन्नपूर्णा का प्रांगण प्रसिद्ध लोक कलाकार रेशन खान मांगणियार एवं उनके दल ने दी मनमोहक प्रस्तुति, विद्यार्थियों ने जानी पारंपरिक वाद्ययंत्रों और लोक संगीत की विशेषताएं

वेलकम इंडिया/संतोष कुमार सिंह

वाराणसी। सनबीम स्कूल अन्नपूर्णा, सिगरा के प्रांगण में 15 अक्टूबर, गुरुवार को राजस्थान की समृद्ध संगीत परंपरा से विद्यार्थियों को परिचित कराने के उद्देश्य से प्रसिद्ध लोक कलाकार रेशन खान मांगणियार एवं उनके दल की विशेष संगीतमय प्रस्तुति का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में राजस्थान की पारंपरिक लोक संस्कृति, लोकगीतों और वाद्ययंत्रों की अनूठी विरासत की मनमोहक झलक देखने को मिली। कलाकारों की मधुर स्वर-लहरियों और पारंपरिक संगीत की लय ने विद्यालय परिसर को संगीतमय बना दिया। विद्यार्थियों ने इस सांस्कृतिक आयोजन के माध्यम से भारतीय लोक संगीत की विविधता



और उसकी समृद्ध परंपराओं को करीब से समझा। राजस्थान की मांगणियार संगीत परंपरा भारतीय लोक संगीत की अमूल्य धरोहर मानी जाती है। पीढ़ी-दर-पीढ़ी संरक्षित इस परंपरा में लोकजीवन, भक्ति, प्रेम, वीरता और मरुस्थलीय संस्कृति की सजीव झलक देखने को मिलती है। इसी सांस्कृतिक विरासत को विद्यार्थियों तक पहुंचाने

के उद्देश्य से आयोजित कार्यक्रम में रेशन खान मांगणियार एवं उनके दल ने अपनी शानदार प्रस्तुति से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। पारंपरिक लोकगीतों की मधुर धुनों और वाद्ययंत्रों की लयबद्ध ध्वनियों ने उपस्थित लोगों को राजस्थान की सांस्कृतिक परंपराओं का अनुभव कराया। कलाकारों ने अपनी प्रस्तुति के माध्यम से लोक

संगीत की भावनात्मक गहराई, उसकी विशिष्ट शैली और भारतीय संस्कृति में उसके महत्व को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया। विद्यार्थियों के लिए यह आयोजन केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं, बल्कि भारतीय सांस्कृतिक विरासत को समझने और उससे जुड़ने का एक महत्वपूर्ण अवसर भी बना। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने लोक संगीत की विभिन्न शैलियों, पारंपरिक वाद्ययंत्रों तथा मांगणियार समुदाय की सांगीतिक परंपराओं के विषय में अनेक रोचक जानकारियां प्राप्त कीं। कार्यक्रम का विशेष आकर्षण विद्यार्थियों और लोक कलाकारों के बीच हुआ संवाद रहा। विद्यालय के विद्यार्थियों आद्या सिंह, आराध्या विनायक, लविका, कुशाग्र सहित अन्य छात्रों ने कलाकारों से पारंपरिक वाद्ययंत्रों के बारे में प्रश्न पूछे।

विद्यार्थियों ने कमायचा और खड़ताल जैसे पारंपरिक वाद्ययंत्रों की बनावट, उन्हें बजाने की विधि और लोक संगीत में उनकी भूमिका के विषय में जिज्ञासा व्यक्त की। कलाकारों ने विद्यार्थियों के प्रश्नों के उत्तर देकर उनकी जिज्ञासाओं का समाधान किया। इस संवाद ने विद्यार्थियों को भारतीय लोक संगीत की वारीकियों को समझने का अवसर प्रदान किया। इस आयोजन ने विद्यार्थियों में भारतीय कला एवं संस्कृति के प्रति रूचि बढ़ाने के साथ-साथ अपनी सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण और संवर्धन की भावना को भी मजबूत किया। विद्यार्थियों ने जाना कि लोक संगीत किसी क्षेत्र की ऐतिहासिक पहचान, सामाजिक जीवन और सांस्कृतिक मूल्यों को पीढ़ियों तक जीवित रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम की जयंती पर किया नमन, उनके आदर्शों को आत्मसात करने का लिया संकल्प

वेलकम इंडिया/संतोष कुमार सिंह

वाराणसी। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं वाराणसी प्रदीप कुमार मौर्य के आवासीय कार्यालय टड़िया, चकबिही, वाराणसी में महान वैज्ञानिक, भारत के पूर्व राष्ट्रपति एवं भारत रत्न डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम की जयंती श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई। इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने उनके चित्र पर श्रद्धासुमन अर्पित कर उन्हें ममन किया तथा राष्ट्र निर्माण में उनके अतुलनीय योगदान को याद किया। साथ ही उनके आदर्शों को अपने जीवन में आत्मसात करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के दौरान प्रदीप कुमार मौर्य ने कहा कि डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम का संपूर्ण जीवन देशवासियों, विशेषकर युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत है। उनका जीवन हमें सिखाता है कि पद और प्रतिष्ठा से कहीं



अधिक महत्वपूर्ण व्यक्ति के विचार, आचरण, कर्तव्यनिष्ठा और राष्ट्र प्रति समर्पण होता है। उन्होंने अपने ज्ञान, सादगी, दूरदृष्टिता और कर्मठता के बल पर न केवल देश में, बल्कि पूरी दुनिया में भारत का मान-सम्मान बढ़ाया। उन्होंने कहा कि डॉ. कलाम ने अपने जीवन में अनेक चुनौतियों का सामना करते हुए यह साबित किया कि संघर्ष, कठिन परिश्रम, दृढ़ इच्छाशक्ति और आत्मविश्वास के बल पर किसी भी लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है। उनका जीवन इस बात का उदाहरण है

कि सीमित संसाधन होने के बावजूद बड़े सपने देखे जा सकते हैं और उन्हें साकार करने के लिए निरंतर प्रयास किए जा सकते हैं। प्रदीप कुमार मौर्य ने कहा कि डॉ. कलाम के विचार, आदर्श और राष्ट्र के प्रति समर्पण की भावना सदैव युवाओं का मार्गदर्शन करती रहेगी। उनके सपनों का भारत बनाने के लिए शिक्षा, विज्ञान, तकनीकी विकास, सामाजिक जागरूकता और राष्ट्रीय एकता को मजबूत करना हम सभी का सामूहिक दायित्व है।

प्रतिबंधित चाइनीज मांझे की बिक्री पर तत्काल रोक लगाने की मांग, जिला मुख्यालय पर सौपा ज्ञापन

एडवोकेट अबू हाशिम की चेतावनी-कार्रवाई नहीं हुई तो बनारस में होगा बड़ा आंदोलन, जानलेवा मांझे के कारोबारियों पर सख्त कार्रवाई की मांग

वेलकम इंडिया/संतोष कुमार सिंह

वाराणसी। प्रतिबंधित चाइनीज मांझे की बिक्री और इस्तेमाल पर पूरी तरह रोक लगाने की मांग को लेकर मानव रक्त फाउंडेशन के बैनर तले अधिवक्ताओं एवं किन्नर समाज के प्रतिनिधियों ने जिला मुख्यालय पर ज्ञापन के संस्थापक एवं अध्यक्ष एडवोकेट अबू हाशिम के नेतृत्व में सोंपे गए ज्ञापन के माध्यम से प्रशासन से जानलेवा मांझे की बिक्री पर तत्काल प्रभाव से रोक लगाने तथा इसकी खरीद-बिक्री करने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करने की मांग की गई। प्रतिनिधिमंडल ने स्पष्ट किया कि प्रतिबंध के बावजूद चाइनीज मांझे का कारोबार जारी रहना आम नागरिकों की सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा है। इस अवसर पर मानव रक्त फाउंडेशन के अध्यक्ष एडवोकेट अबू हाशिम ने कहा कि चाइनीज मांझा लगातार लोगों की जान के लिए खतरा



बना हुआ है। इसकी धारदार डोर की चपेट में आने से कई लोगों की जान जा चुकी है, जबकि अनेक लोग गंभीर रूप से घायल हो चुके हैं। इसके बावजूद बाजारों में इसकी बिक्री और इस्तेमाल की शिकायतें सामने आना औपचारिक कार्रवाई तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि प्रतिबंधित मांझे की बिक्री करने वालों की पहचान कर उनके खिलाफ कठोर कानूनी कदम उठाने चाहिए। एडवोकेट अबू हाशिम

ने कहा कि चाइनीज मांझे से होने वाली दुर्घटनाएं किसी भी परिवार की खुशियां छीन सकती हैं। सड़क पर चलने वाले राहगीर, दोपहिया वाहन चालक और अन्य लोग इसकी चपेट में आकर गंभीर रूप से घायल हो सकते हैं। किसी व्यक्ति की मृत्यु होने पर उसके परिवार के सामने आर्थिक संकट खड़ा हो जाता है और बच्चों के भविष्य पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। इसलिए चाइनीज मांझे का मुद्दे केवल कानून-व्यवस्था या सुरक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि यह



मानवीय संवेदनाओं और सामाजिक जिम्मेदारी से भी जुड़ा हुआ है। उन्होंने प्रशासन से मांग की कि शहर के विभिन्न बाजारों, पतंग की दुकानों और मांझे की बिक्री से जुड़े अन्य स्थानों पर नियमित जांच अभियान चलाया जाए। प्रतिबंधित मांझा बेचने वालों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई की जाए और इसके भंडारण तथा आपूर्ति पर भी निगरानी रखी जाए। साथ ही विद्यालयों, सामाजिक संगठनों और आम नागरिकों के माध्यम से व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाया

जाए, ताकि लोग इस खतरनाक मांझे के इस्तेमाल से होने वाले नुकसान को समझ सकें। इस दौरान किन्नर समुदाय की राष्ट्रीय अध्यक्ष सलमा चौधरी एवं सेंट्रल बार के पूर्व महामंत्री संजय सिंह दाढ़ी ने भी चाइनीज मांझे पर पूर्ण प्रतिबंध को प्रभावी ढंग से लागू करने की मांग उठाई। उन्होंने कहा कि प्रतिबंध के बावजूद यदि जानलेवा मांझे की बिक्री और इस्तेमाल पर प्रभावी अंकुश नहीं लगाया गया, तो इसके गंभीर परिणाम



भाकियू (किसान सभा) ने विद्युत समस्याओं को लेकर अधिशासी अभियंता कार्यालय पर प्रदर्शन कर दिया धरना

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। भारतीय किसान यूनियन (किसान सभा) के पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं ने देहात क्षेत्र में किसानों को बिजली से संबंधित समस्याओं को लेकर अधिशासी अभियंता कार्यालय पर प्रदर्शन कर धरना दिया,ज्ञापन सौंपा। संगठन ने ज्ञापन के माध्यम से अवगत कराया कि मोदीनगर देहात क्षेत्र के कई गांवों में विद्युत लाइनों से संबंधित समस्याओं के कारण किसानों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। किसानों ने आरोप लगाया कि बिजली की लाइन हटवानी, ठीक कराने



तथा अन्य विद्युत संबंधी कार्यों के नाम पर उनसे पैसे की मांग की जाती है।

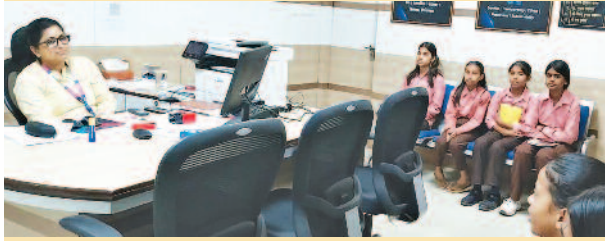
संगठन ने इन शिकायतों की निष्पक्ष जांच करारक उचित कार्रवाई करने

की मांग की। ज्ञापन में ग्राम नागला मूसा, सादाबाद जखेवा व मोहम्मदपुर

कदीम सहित देहात क्षेत्र में विद्युत लाइनों से जुड़ी समस्याओं और उनसे उत्पन्न होने वाले संभावित खतरों को भी प्रमुखता से उठाया गया। संगठन का कहना है कि विद्युत विभाग को इन समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए समयबद्ध तरीके से समाधान कराना चाहिए, ताकि किसानों और ग्रामीणों को राहत मिल सके तथा किसी भी संभावित दुर्घटना को रोका जा सके। भारतीय किसान यूनियन (किसान सभा) ने अधिशासी अभियंता से मांग की कि ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली की लाइनों की स्थिति की जांच कराई जाए, किसानों की शिकायतों का निस्तारण किया जाए तथा विद्युत कार्यों के नाम

पर अवैध वसूली की शिकायतों की जांच कर दोषियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाए। इस मौके पर पुष्कर त्यागी जिला अध्यक्ष गाजियाबाद,रोहित चौधरी युवा जिला अध्यक्ष गाजियाबाद रोहित त्यागी प्रदेश महासचिव पश्चिम उत्तर प्रदेश,आकाश त्यागी रावली एनसीआर अध्यक्ष अवनीश प्रधान मंडल प्रभारी मेरठ,आशु त्यागी किसान नेता धीरज त्यागी, राहुल शर्मा, अफजल सैफी, इरफान ठेकेदार, साहिल खान, वाहिद खान, अब्जाद खान, रामनरेश शर्मा, शाहरुख खान, आशु त्यागी रावली आदि लोग मौजूद रहे।

मिशन शक्ति अभियान के अन्तर्गत बालिकाओं को बैंक का भ्रमण कराया



अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। कंपोजिट विद्यालय कादराबाद,विकास खंड भोजपुर में मिशन शक्ति अभियान के अन्तर्गत बालिकाओं को स्टेट बैंक ऑफ इंडिया,कपड़ा मिल, मोदीनगर में भ्रमण कराया गया। बैंक मैनेजर मैडम ने विद्यार्थियों को बैंक के विविध काउन्टर कैश डिपॉजिट मशीन,एटीएम मशीन, चेक डिपॉजिट

मशीन, कतार प्रबंधन मशीन, कैश निकासी मशीन दिखायी गयी और उनके कार्य एवं प्रक्रिया समझाये गए। बच्चों के लिए बैंक भ्रमण करना न केवल उत्साहवर्धक रहा, अपितु ज्ञानवर्धक भी रहा। कुछ बच्चों के लिए तो बैंक की गतिविधियों को इतना अधिक निकट से देखने का यह सबसे पहला अनुभव रहा। उक्त कार्यक्रम को सफल बनाने में रूचि गुत्ता रजनी दिव्या बख्शी आदि का सहयोग सराहनीय रहा।

गांधी ग्राउंड में बनेगा सिंथेटिक ट्रैक, जीडीए और नगर पालिका के अधिकारियों ने किया स्थल निरीक्षण

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। मोदीनगर के गांधी ग्राउंड को बेहतर सुविधाओं से सुसज्जित करने की दिशा में कार्य शुरू हो गई है। गुरुवार को गांधी ग्राउंड में प्रस्तावित सिंथेटिक ट्रैक के निर्माण को लेकर गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) और नगर पालिका परिषद मोदीनगर के अधिकारियों ने संयुक्त रूप से स्थल निरीक्षण किया। इस दौरान मयंक राठी के साथ जीडीए के अधिशासी अभियंता राजीव कुमार, नगर पालिका परिषद मोदीनगर के अधिशासी अधिकारी नरेंद्र मोहन मिश्र एवं अंकित गोयल मौजूद रहे। अधिकारियों ने गांधी ग्राउंड का निरीक्षण कर सिंथेटिक ट्रैक के निर्माण से जुड़े विभिन्न तकनीकी पहलुओं पर विचार-विमर्श किया। निरीक्षण के दौरान ट्रैक की



गुणवत्ता, निर्माण में इस्तेमाल होने वाली सामग्री, मैदान की मौजूदा स्थिति और निर्धारित मानकों के अनुरूप कार्य कराने को लेकर चर्चा की गई। साथ ही मैदान में जल निकासी और ट्रैक के रखरखाव जैसे महत्वपूर्ण पहलुओं पर भी ध्यान देने की आवश्यकता बताई गई। खिलाड़ियों और सुबह-शाम टहलने वालों को मिलेगा लाभ। गांधी ग्राउंड में सिंथेटिक ट्रैक बनने से स्थानीय खिलाड़ियों, युवाओं और नियमित रूप से सुबह-शाम टहलने

आने वाले लोगों को बेहतर सुविधा मिल सकेगी। विशेष रूप से दौड़ का अभ्यास करने वाले युवाओं के लिए यह ट्रैक उपयोगी साबित हो सकता है। गांधी ग्राउंड को खेलकूद और स्वास्थ्य संबंधी गतिविधियों के लिए बेहतर स्थान के रूप में विकसित करने की दिशा में इस पहल को महत्वपूर्ण माना जा रहा है। हालांकि निर्माण कार्य शुरू होने की तिथि और लागत को लेकर अभी आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है।

टी आर एम स्कूल में विधायक डॉ मंजू शिवाच ने भाजपा प्रत्याशियों के समर्थन में मतदान की अपील



अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। तुलसीराम माहेश्वरी पब्लिक स्कूल, मोदीनगर में भाजपा समर्थित एमएलसी प्रत्याशियों दिनेश गोयल (ग्रेजुएट निर्वाचन क्षेत्र) एवं श्रीचंद शर्मा जी (शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र) के समर्थन में कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर लोकप्रिय विधायक डॉ. मंजू सिवाच, मंडल अध्यक्ष आकाश शर्मा एवं भाजपा के अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे। डॉ. मंजू सिवाच ने शिक्षकों एवं

ग्रेजुएट मतदाताओं से दोनों प्रत्याशियों के पक्ष में अधिक से अधिक मतदान करने की अपील की। विद्यालय प्रबंधन की ओर से गौरव महेश्वरी, प्रधानाचार्या श्रीमती रजनी होरी तथा समस्त शिक्षक-शिक्षिकाओं एवं स्टाफ ने विवास दिलाया कि वे भाजपा समर्थित दोनों प्रत्याशियों को विजयी बनाने के लिए पूरा सहयोग करेंगे। साथ ही, विभिन्न शिक्षण संस्थानों में ग्रेजुएट मतदाताओं से संपर्क कर दोनों प्रत्याशियों के पक्ष में प्रचार-प्रसार करेंगे तथा उन्हें अधिक से अधिक मतदान करने की अपील करेंगे।

भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष दिनेश सिंघल को सिवालखास विधानसभा प्रभारी बनाया,कार्यकताओं ने दी बधाई

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष गाजियाबाद दिनेश सिंघल को भारतीय जनता पार्टी का सिवालखास विधानसभा प्रभारी बनाए जाने पर कार्यकताओं ने उन्हें बधाई दी। दिनेश सिंघल ने अपनी नियुक्ति पार्टी नेतृत्व का आभार जताया। गौरतलब है कि मोदीनगर निवासी तीन दशकों से अधिक समय से भाजपा से जुड़े दिनेश सिंघल पार्टी ने अनेक पदों पर रहते हुए भाजपा के गाजियाबाद जिलाध्यक्ष बने थे। उनके कार्यकाल में संगठन को मजबूती मिली तथा हुए कई चुनाव में पार्टी को भारी बहुमत से विजय मिली। पार्टी नेतृत्व में उनके कार्य और पार्टी के प्रति निष्ठा को देखते हुए



देखते हुए उन्हें इस सिवालखास विधानसभा सीट का प्रभारी नियुक्त किया है ताकि वहां से भी पार्टी को आगामी चुनावों में विजय प्राप्त हो सके। दिनेश सिंघल की नियुक्ति पर भाजपा कार्यकताओं ने खुशी जाहिर करते हुए उन्हें बधाई दी और पार्टी नेतृत्व का आभार व्यक्त किया।

8 करोड़ से शहर की सड़कों के गड्ढे भरने में जुटा नगर निगम

गोविंदपुरम से इंदिरापुरम और वसुंधरा से साहिबाबाद तक सड़कों की मरम्मत शुरू

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। बरसात के बाद शहर की सड़कों पर जगह-जगह बने गड्ढों से परेशान लोगों को राहत देने के लिए नगर निगम ने मरम्मत अभियान तेज कर दिया है। महापौर सुनीता दयाल और नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक के नेतृत्व में करीब आठ करोड़ रुपये की लागत से शहर की सड़कों को गड्ढामुक्त बनाने का काम किया जा रहा है। नगर निगम का लक्ष्य दीपावली से पहले इस कार्य को पूरा करना है, ताकि लोगों को सुरक्षित और सुगम आवागमन की सुविधा मिल सके। हर साल बारिश के बाद सड़कों की सतह उखड़ने और गड्ढे बनने से वाहन चालकों को परेशानी होती है। दोपहिया वाहन चालकों के लिए ये गड्ढे विशेष रूप से दुर्घटना का कारण बन सकते हैं। इसी समस्या को देखते हुए नगर निगम ने इस वर्ष भी व्यापक स्तर पर पैचवर्क अभियान शुरू किया है।



इसके तहत प्रमुख मार्गों के साथ कॉलोनिंग और आंतरिक सड़कों पर भी गड्ढों को भरने का काम कराया जा रहा है। नगर निगम के अभियान में गोविंदपुरम, शास्त्रीनगर, संजयनगर, चिरंजीव विहार, अर्वातिका, विवेकानंद नगर, राजनगर, कविनगर, प्रताप विहार और विजय नगर सहित कई क्षेत्रों को शामिल किया गया है। इसके अलावा इंदिरापुरम, वैशाली, वसुंधरा, राजनगर

एक्सटेंशन, स्वर्णजयंतीपुरम और करपुरीपुरम में भी सड़कों की मरम्मत कराई जा रही है। साहिबाबाद, राजेंद्र नगर, लाजपत नगर, शालीमार गार्डन, बूज विहार, सूर्यनगर, रथाम पार्क, शहीद नगर, मोहन नगर और करहेड़ा समेत अन्य इलाकों में भी पैचवर्क किया जा रहा है। वहीं नेहरू नगर, पटेल नगर, लोहिया नगर, नंदग्राम, सिहानी, मालीबाड़ा, गांधी नगर, अशोक नगर,

लक्ष्मी विहार कॉलोनी, दौलतपुरा और कोटगांव में भी गड्ढे भरने का कार्य अभियान का हिस्सा है। ताज हाईवे रोड, विजय नगर थाना रोड, अंबेडकर रोड, तुराबनगर, किराना मंडी, रमतेराम रोड, जनकपुरी और डीएलएफ क्षेत्र में भी मरम्मत कराई जा रही है। महापौर सुनीता दयाल ने बताया कि बरसात के बाद शहर की सड़कों पर बने गड्ढों को भरने के लिए आठ करोड़ रुपये की लागत से कार्य कराया जा रहा है। नगर निगम का प्रयास है कि शहर के लगभग सभी बाड़ों में सड़क मरम्मत का काम पूरा किया जाए। अधिकारियों को लगातार काम करने के निर्देश दिए गए हैं, जिससे लोगों को आवागमन में परेशानी न हो। उन्होंने कहा कि बारिश के कारण जिन सड़कों पर नए गड्ढे बने हैं, उन्हें भी अभियान के तहत भरवाया जाएगा। नगर निगम का प्रयास है कि शहर में कोई भी प्रमुख स्थान गड्ढों के कारण लोगों के लिए परेशानी का सबब न बने।

मुख्तार अब्बास नकवी को सरदार एसपी सिंह ने दी जन्मदिन की शुभकामनाएं



वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। मौलाना आजाद एजुकेशन फाउंडेशन के पूर्व उपाध्यक्ष सरदार एसपी सिंह ने पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं वरिष्ठ भाजपा नेता मुख्तार अब्बास नकवी को उनके जन्मदिन पर बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। सरदार एसपी सिंह ने दिल्ली स्थित उनके आवास पर पहुंचकर पुष्पगुच्छ भेंट किया और उनके स्वस्थ, सुखमय एवं दीर्घायु

जीवन की कामना की। इस दौरान सरदार एसपी सिंह ने मुख्तार अब्बास नकवी के मार्गदर्शन और स्नेह की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि वरिष्ठ नेताओं का मार्गदर्शन और अनुभव समाज के लिए प्रेरणादायी होता है। इस अवसर पर उन्होंने नकवी को जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए उनके निरंतर स्वस्थ एवं सक्रिय जीवन की कामना की।

जय श्रीराम के जयघोष से गूंजा वसुंधरा, भव्य राम बारात ने बांधा समां

जय श्रीराम के जयघोष से गूंजा वसुंधरा, भव्य राम बारात ने बांधा समां



वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। वसुंधरा में श्री राम बारात एवं भव्य नगर भ्रमण के दौरान पूरा क्षेत्र प्रभु श्रीराम के जयकारों से गूंज उठा। आस्था, श्रद्धा और सनातन संस्कृति के अद्भुत संगम ने माहौल को भक्तिमय बना दिया। प्राचीन संकट मोचन श्री हनुमान मंदिर धार्मिक रामलीला समिति (रजि.), वसुंधरा की ओर से चेयरमैन पंडित नरेंद्र भारद्वाज के मार्गदर्शन में आयोजित इस भव्य आयोजन में धार्मिक झांकियों, बैंड-बाजों और विंटेज गाड़ियों के काफिले ने लोगों का मन मोह लिया। जगह-जगह

श्रद्धालुओं का उत्साह और प्रभु श्रीराम के प्रति उनकी अटूट आस्था देखने को मिली। श्री राम बारात का शुभारंभ प्राचीन संकट मोचन श्री हनुमान मंदिर से हुआ। यहां से बारात प्रहलाद गढ़ी, वसुंधरा सेक्टर-18 और 19 स्थित अग्रसेन चौक, सेक्टर-17, 16, 15 और 14, परशुराम चौक, सेक्टर-11, 12, 10, 9 और 8 सहित विभिन्न क्षेत्रों और प्रमुख चौराहों से होते हुए सेक्टर-7 स्थित रामलीला ग्राउंड पहुंची। पूरे मार्ग में प्रभु श्रीराम के जयकारे गूंजते रहे। धार्मिक झांकियों ने श्रद्धालुओं को आकर्षित किया, वहीं शहर के मशहूर बैंड-बाजों की मनमोहक धुनों ने

वातावरण को उत्सवमय बना दिया। विंटेज गाड़ियों का शानदार काफिला, घुड़सवारों और ऊंटसवारों की आकर्षक प्रस्तुतियां तथा भव्य आतिशबाजी आयोजन की विशेष आकर्षण रही। इस आयोजन की विशेषता इसकी भव्यता के साथ-साथ इससे जुड़ी पुरानी धार्मिक परंपरा भी रही। समिति के चेयरमैन पंडित नरेंद्र भारद्वाज तीन दशक से अधिक समय से श्रीराम बारात की परंपरा को निरंतर आगे बढ़ाने में योगदान दे रहे हैं। उनके मार्गदर्शन में आयोजित नगर भ्रमण ने क्षेत्र में धार्मिक उत्साह का माहौल बनाया।

साहित्य और समाजसेवा में योगदान के लिए डॉ. जकी तारिक और स्मिता शर्मा को मिलेगा सर सैयद राष्ट्रीय पुरस्कार



वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद/मेरठ। चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ के उर्दू विभाग की पुरस्कार समिति ने सर सैयद राष्ट्रीय पुरस्कार 2026 की घोषणा कर दी है। इस वर्ष साहित्यिक सेवाओं के लिए गाजियाबाद के प्रसिद्ध कवि एवं विचारक डॉ. जकी तारिक और सामाजिक सेवा के लिए एमएसएम की इकाई की अध्यक्ष स्मिता शर्मा को सम्मानित किया जाएगा। दोनों को यह पुरस्कार 16 अक्टूबर, शुक्रवार को शाम चार बजे आयोजित जश्न-ए-सर सैयद के समापन सत्र में प्रदान किए जाएंगे। उर्दू विभाग विश्वविद्यालय की

स्थापना के समय से ही जश्न-ए-सर सैयद का आयोजन करता आ रहा है। सर सैयद एजुकेशनल सोसाइटी, मेरठ के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य महान शिक्षाविद् सर सैयद अहमद खां के शैक्षिक विचारों और समाज सुधार के मिशन को जन-जन तक पहुंचाना है। समारोह में व्याख्यानमाला, प्रश्नोत्तरी, भाषण एवं लेखन प्रतियोगिताएं, संगीत, बैतबाजी और गजल गायन सहित विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। शिक्षा, साहित्य और समाजसेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले व्यक्तियों एवं संस्थाओं को भी सम्मानित किया जाता है।

आईटीएस में प्रतिभाओं का जलवा, 'मोरक्को-ए-टैलेंट उत्सव 2026' में छात्रों ने बिखेरे हुनर के रंग



वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। मोहननगर स्थित आईटीएस संस्थान के यूजी कैंपस में बीबीए एवं बीसीए प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों के स्वागत में 'मोरक्को-ए-टैलेंट उत्सव 2026' का भव्य आयोजन किया गया। संस्थान के चाणक्य प्रेक्षागृह में आयोजित इस सांसाय समारोह में करीब 800 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। सिंगिंग, डांस, फिजिट और फैशन शो जैसी प्रतियोगिताओं के माध्यम से विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा, आत्मविश्वास और रचनात्मकता का शानदार प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का उद्देश्य नए विद्यार्थियों को अपनी बहुआयामी प्रतिभा दिखाने का मंच प्रदान करने के साथ उनमें नई ऊर्जा और आत्मविश्वास का संचार करना था। आईटीएस-ए एजुकेशन ग्रुप के वाइस चेयरमैन अर्पित चड्ढा ने अपने संदेश में

विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि युवा अपनी क्षमताओं पर विश्वास रखें और निरंतर प्रयास करते हुए आगे बढ़ें। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी अपनी प्रतिभा और मेहनत के दम पर देश के विकास में अमूल्य योगदान दे सकते हैं। उन्होंने सभी प्रतिभागियों को बेहतर प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दीं। यूजी कैंपस की प्रिंसिपल डॉ. नैसी शर्मा ने कहा कि शिक्षा के साथ अनुशासन, रचनात्मकता और नैतिक मूल्यों का भी विद्यार्थियों के जीवन में विशेष महत्व है। विद्यार्थियों को अपनी रुचि और प्रतिभा पहचानकर नए अवसरों का लाभ उठाना चाहिए तथा असफलताओं से सीख लेते हुए निरंतर आगे बढ़ना चाहिए। बीबीए वर्ग में वंश शर्मा को मिस्टर चार्मिंग पर्सनैलिटी और अन्वेष्ठा को मिस चार्मिंग पर्सनैलिटी चुना गया। आर्यवर्धन ने मिस्टर शो स्टॉपर, जबकि डिपल चौहान ने मिस शो स्टॉपर का खिताब जीता। यतिन

मिस्टर स्टाइलिश, राशि मिस स्टाइलिश, अर्जुन मिस्टर क्राउड फेवरेट, खुशी वावर्षिया मिस क्राउड फेवरेट, सावन सिंह मिस्टर टैलेटेड और शाइना मिस टैलेटेड चुनी गईं। वहीं, बीसीए वर्ग में कुनाल को मिस्टर चार्मिंग पर्सनैलिटी का खिताब मिला। यश भारद्वाज मिस्टर शो स्टॉपर और कृतिका मिस शो स्टॉपर चुनी गईं। नाजिम ने मिस्टर स्टाइलिश, रखाति परवीन ने मिस स्टाइलिश, निकुंज राठी ने मिस्टर क्राउड फेवरेट, गार्गी शर्मा ने मिस क्राउड फेवरेट, गीतम ने मिस्टर टैलेटेड और अंशिका तोमर ने मिस टैलेटेड का खिताब अपने नाम किया। वेस्ट आउटफिट ऑफ द डे की बॉयज कैटेगरी में बीबीए से मोहम्मद जियाज और बीसीए से केतन को चुना गया। गर्ल्स कैटेगरी में बीबीए से श्रेया शर्मा और बीसीए से शिवांगी ने यह खिताब हासिल किया।

एसआरएम विश्वविद्यालय में मिशन शक्ति के अंतर्गत महिला सुरक्षा एवं जागरूकता कार्यक्रम का सफल आयोजन



वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी), मोदीनगर सिद्धार्थ गौतम की अध्यक्षता में थाना निवाड़ी क्षेत्र स्थित एसआरएम विश्वविद्यालय में मिशन शक्ति फेज-6.0 के अंतर्गत महिला सुरक्षा, सशक्तीकरण एवं जागरूकता कार्यक्रम का सफल

आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ संस्थान की डीन, आईक्यूएसी डॉ. धौम्या भट्ट एवं संस्थान के प्रोफेसर तथा जनसंपर्क अधिकारी डॉ. नितिन धामा द्वारा एसीपी मोदीनगर सिद्धार्थ गौतम, थाना अध्यक्ष निवाड़ी अंकित कुमार एवं मिशन शक्ति टीम का स्वागत एवं अभिनंदन कर किया गया। कार्यक्रम में मिशन शक्ति प्रभारी श्रीमती

तुपति गंगवार एवं टीम के अन्य सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान छात्रों एवं छात्राओं दोनों को महिला सुरक्षा, महिला अधिकारों, लैंगिक समानता, साइबर अपराधों से बचाव तथा महिलाओं के प्रति सम्मानजनक व्यवहार के महत्व के बारे में जागरूक किया गया। सहायक पुलिस आयुक्त

सिद्धार्थ गौतम ने अपने संबोधन में बताया कि मिशन शक्ति का उद्देश्य महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करना, उन्हें उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना तथा आत्मनिर्भर एवं सशक्त बनाना है। उन्होंने छात्र-छात्राओं को महिला उत्पीड़न, छेड़छाड़, पीछा करने, घरेलू हिंसा एवं अन्य अनुचित व्यवहार के

प्रति सजग रहने तथा ऐसी किसी भी घटना की जानकारी तत्काल पुलिस को देने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि महिलाओं की सुरक्षा एवं सम्मान केवल पुलिस की ही नहीं, बल्कि पूरे समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। इस अवसर पर छात्र-छात्राओं को महत्वपूर्ण हेल्पलाइन नंबरों 1090 (महिला पावर

लाइन), 112 (आपातकालीन पुलिस सेवा), 1098 (चाइल्ड हेल्पलाइन) एवं 181 (महिला हेल्पलाइन) की जानकारी दी गई। साथ ही सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग, ओटीपी एवं पासवर्ड की गोपनीयता, ऑनलाइन धोखाधड़ी, फर्जी लिंक तथा साइबर उत्पीड़न से बचाव के उपाय भी समझाए गए।

बेकाबू क्रेटा ने बाइक सवारों और छात्र को मारी टक्कर, मचा हड़कंप



कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। थाना कोतवाली क्षेत्र में सेठ मुकंद लाल इंटर कॉलेज रोड लाइट के पास गुरुवार सुबह तेज रफ्तार काले रंग की क्रेटा कार ने बाइक सवार दो व्यक्तियों और एक छात्र को टक्कर मार दी। हादसे में तीनों गंभीर रूप से घायल हो गए। दुर्घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। घायल छात्र को गंभीर हालत में जिला एमएमजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जबकि अन्य दो घायलों को उपचार के लिए संतोष मेडिकल कॉलेज भेजा गया। हादसे के बाद सड़क पर जाम लगने से राहगीरों को परेशानी का सामना करना पड़ा। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हादसे के बाद कार चालक ने मौके से भागने का प्रयास किया, लेकिन कॉलेज के छात्रों और स्थानीय लोगों ने उसे पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया।

मुख्यमंत्री योगी के आगमन को लेकर तैयारियां तेज, सुंदरदीप कॉलेज पहुंचे क्षेत्रीय प्रभारी

मतदाता सम्मेलन की व्यवस्थाओं का लिया जायजा, पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को दिए आवश्यक निर्देश

कपिल चौहान

डासना(वेलकम इंडिया)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के डासना स्थित सुंदरदीप कॉलेज में प्रस्तावित मतदाता सम्मेलन को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। इसी क्रम में क्षेत्रीय प्रभारी एवं प्रदेश महामंत्री राम प्रताप चौहान ने कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया।



कार्यक्रम स्थल पर की जा रही तैयारियों की समीक्षा की और व्यवस्थाओं को समय से पूरा करने पर जोर दिया। इस दौरान पश्चिम क्षेत्र के क्षेत्रीय अध्यक्ष नवाब सिंह नागर, प्रदेश मंत्री बसंत त्यागी, क्षेत्रीय महामंत्री हरीश ठाकुर व रूपेंद्र सैनी, महानगर प्रभारी

अशोक कटारिया, महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल और जिलाध्यक्ष चैन पाल सिंह सहित अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे। मुख्यमंत्री के प्रस्तावित कार्यक्रम को लेकर कार्यकर्ता तैयारियों में जुटे हैं और सम्मेलन की व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दिया जा रहा है।

नोएडा में निमार्णाधीन बिल्डिंग की शटरिंग गिरी, 14 गाड़ियां क्षतिग्रस्त



कपिल चौहान

नोएडा (वेलकम इंडिया)। सेक्टर-62 स्थित आई थम हाईट्स में निमार्णाधीन बिल्डिंग की शटरिंग गिरने से बड़ा हादसा हो गया। शटरिंग की चपेट में आने से मौके पर खड़ी करीब 14 गाड़ियां क्षतिग्रस्त हो गईं। गनीमत रही कि हादसे के दौरान कोई व्यक्ति इसकी चपेट में नहीं आया और लोग बाल-बाल बच गए। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी का

माहौल बन गया। निमार्णाधीन इमारत की शटरिंग गिरने से आसपास खड़े वाहनों को नुकसान पहुंचा। हादसे में एक दर्जन से अधिक गाड़ियों के क्षतिग्रस्त होने की जानकारी सामने आई है। घटना के बाद निर्माण कार्य में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। हालांकि, हादसा किन परिस्थितियों में हुआ और शटरिंग गिरने की वास्तविक वजह क्या रही, इसकी विस्तृत जानकारी सामने आना बाकी है।

राजनगर रामलीला में छाया दशरथ वियोग, भरत के अभिनय पर बर्जी तालियां

राजा दशरथ के निधन से अयोध्या में छाया मातम, राजनगर रामलीला में भावुक हुए दर्शक

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। राजनगर में श्री रामलीला समिति की ओर से आयोजित राम महोत्सव में भगवान श्रीराम की लीला का भावपूर्ण मंचन किया गया। वन गमन के दौरान केवट ने गंगा पार कराने से पहले श्रीराम, माता सीता और लक्ष्मण के चरण धोए। केवट और श्रीराम के संवाद ने दर्शकों को भावविभोर कर दिया। केवट ने उतराई लेने से इनकार कर प्रभु से भवसागर पार कराने का वरदान मांगा।



उधर, पुत्र वियोग में राजा दशरथ के प्राण पखरू उड़ गए। उनके निधन ने अयोध्या में शोक छा गया। ननिहाल से लौटे भरत ने माता कैकेयी

को खरी-खोटी सुनाई। इसके बाद वह चित्रकूट पहुंचे और श्रीराम से अयोध्या लौटने का आग्रह किया। श्रीराम के मना करने पर भरत उनकी चरण पादुका लेकर अयोध्या लौट आए। कलाकारों के शानदार

अभिनय की दर्शकों ने सराहना की। इस अवसर पर समिति के पदाधिकारी, आरडब्ल्यूए अध्यक्ष दीपक कांत गुप्ता, लॉयस क्लब के सदस्य तथा अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे।

कनावनी के किसानों की दो टूक-नाम बहाल करो, वरना चुनाव का करेंगे बहिष्कार



● कनावनी में जीडीए के खिलाफ बढ़ा आक्रोश, न्यायालय के आदेशों का पालन कर जमीन के रिकॉर्ड में नाम बहाल करने की मांग

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। कनावनी गांव में जीडीए के खिलाफ किसानों का अतिशक्तिशाली धरना गुरुवार को 63वें दिन भी जारी रहा। किसानों ने आरोप लगाया कि न्यायालय के आदेशों के बावजूद उनकी समस्याओं का समाधान नहीं किया जा रहा है। संबंधित भूमि का अधिग्रहण निरस्त होने के बावजूद

अर्बोर्ड बनाने की तैयारी से किसानों में आक्रोश है। किसानों का कहना है कि हाईकोर्ट के अवमानना नोटिस और अधिकारियों को तलब किए जाने के बावजूद उनकी मांगों पर कार्रवाई नहीं हुई। किसान परवीन नागर और अशोक कसाना ने मांग की कि न्यायालय के आदेशों का पालन कर खसरा-खतोनी में किसानों के नाम बहाल किए जाएं। किसानों ने चेतावनी दी कि जल्द समाधान नहीं हुआ तो आंदोलन को व्यापक रूप दिया जाएगा। साथ ही आगामी चुनावों के बहिष्कार पर भी विचार किया जाएगा। धरने में लिखीराम शर्मा, मथन सिंह नागर, चतर सिंह नागर, महेंद्र नागर, विजय नागर समेत बड़ी संख्या में किसान और ग्रामीण मौजूद रहे।

मुरादनगर में 100 से अधिक महिला किसान सम्मानित, 11 लाभार्थियों को मिले प्रमाणपत्र



कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। अंतरराष्ट्रीय महिला किसान वर्ष 2026 के अंतर्गत बुधवार को मुरादनगर में महिला किसान दिवस, जनपद स्तरीय रबी उत्पादकता गोष्ठी और पराली प्रबंधन जागरूकता कार्यशाला का

आयोजन किया गया। कार्यक्रम में 100 से अधिक महिला किसानों, कृषि वैज्ञानिकों, कृषि सखियों, महिला उद्यमियों और विभागीय कर्मियों को सम्मानित किया गया। वहीं, कृषि यंत्रीकरण योजना के 11 लाभार्थियों को प्रमाणपत्र प्रदान किए गए। कार्यक्रम की अध्यक्षता ब्लॉक

प्रमुख सुचेता सिंह ने की। उन्होंने महिलाओं से आधुनिक कृषि तकनीक अपनाकर उत्पादन और आय बढ़ाने का आह्वान किया। ब्लॉक प्रमुख राजीव त्यागी ने किसानों को पराली नहीं जलाने की शपथ दिलाई। कृषि विज्ञान केंद्र के अध्यक्ष डॉ. प्रमोद कुंद ने खाद प्रसंस्करण और कृषि उत्पादों

का मूल्य संवर्धन कर आय बढ़ाने की जानकारी दी। उप कृषि निदेशक आशीष कुमार सिंह ने रबी अभियान का तैयारियों पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में महिला किसानों की उपलब्धियों को सराहा गया तथा पांच किसानों को जैव कीटनाशी वितरित किए गए।

यातायात उपनिरीक्षक से निरीक्षक बने, रैंक स्टार लगाकर दी बधाई



कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। यातायात पुलिस में उपनिरीक्षक पद से निरीक्षक पद पर पदोन्नत होने पर पुलिसकर्मी को रैंक स्टार लगाकर बधाई एवं शुभकामनाएं दी गईं। पदोन्नति के अवसर पर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए नई जिम्मेदारियों को कुशलतापूर्वक

निभाने के लिए प्रोत्साहित किया गया। इस दौरान उन्हें जनसेवा के प्रति समर्पित भाव से कार्य करने, कर्तव्यों का ईमानदारी से पालन करने और पुलिस विभाग की गरिमा बनाए रखने की शुभकामनाएं दी गईं। पदोन्नति की सेवा जीवन में महत्वपूर्ण उपलब्धि मानते हुए उम्मीद जताई गई कि वे अपने अनुभव और कार्यकुशलता से



यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने में योगदान देंगे। नई जिम्मेदारी के साथ उनसे



आमजन के प्रति संवेदनशीलता बनाए रखने और पुलिसिंग की कार्यप्रणाली को और प्रभावी बनाने

की अपेक्षा की गई। इस अवसर पर उनके सफल कार्यकाल और उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई।

निमार्णाधीन मकान में चोरी का खेल, मजदूर निकला आभूषणों का चोर

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। टीला मोड़ थाना क्षेत्र में निमार्णाधीन मकान में काम करने के दौरान आभूषण चोरी करने के मामले में पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से 875 ग्राम चांदी के आभूषण बरामद हुए हैं। पुलिस के मुताबिक, मकान में टाइल-पत्थर लगाने का काम चल रहा था और इसी दौरान आरोपी ने कथित तौर पर चोरी की वारदात को अंजाम दिया। मैनुअल इनपुट, सीसीटीवी फुटेज और सर्विलांस की मदद से जांच के बाद



पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। एसीपी शालीमार गार्डन अतुल कुमार सिंह के अनुसार, कृष्णा विहार कुटी निवासी शिवकेश ने 14 अक्टूबर को शिकायत दी थी। उन्होंने बताया कि

उनके मकान की दूसरी मंजिल पर टाइल-पत्थर लगाने का काम चल रहा था। इसके लिए मिस्त्री बोबी और मजदूर जयभगवान सात अक्टूबर से काम कर रहे थे।